RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 157 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 22 मार्च 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सजा मां का दरबार: डोंगरगढ़ में प्रज्जवलित होंगे 7300 ज्योति कलश, सुरक्षा में हजारों जवान तैनात

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में डोंगरगढ़ स्थित शक्ती पीठ मां बम्लेश्वरी मंदिर में चैत्र नवरात्रि को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नवरात्रि पर मंदिर को भव्य तरिके से सजाया गया है। इस बार मंदिर परिसर में 7300 ज्योति कलश प्रज्जवलित किए जाएंगे। मां के दरबार को पहले ही सोने से मढ़ा जा चुका है। उस पर राजस्थान के कलाकारों ने कारीगरी की है। इस साल प्रदेश के आलावा मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र सहित अन्य प्रांतों से बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था के खास इंतजाम किए गए हैं। इस वर्ष डोगरगढ़ मे नवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है और मेले का आयोजन किया गया है। इसके लिए मंदिर ट्रस्ट समिति ने व्यापक प्रबंध किए हैं। समिति अध्यक्ष ने बताया कि यहां पर मनोकामना ज्योति कलश प्रज्जवलित की जाती है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि में ऊपर मंदिर मे 6500 और नीचे मंदिर मे करीब 800 मनोकामना ज्योत प्रज्जवलित की जाएगी। कहा की इस साल भी देश विदेश से श्रद्धालुओ की ओर से मनोकामना ज्योत जलवाई जा रही है। इसके लिए मंदिर ट्रस्ट समिति ने पूरी तैयारी कर ली है।

चैत्र नवरात्रि पर डोंगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर के दर्शन करने के लिए कई राज्यों से श्रद्धालु आते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्त पैदल भी दरबार में आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। एडिशनल एसपी लखन पटले ने बताया कि नवरात्रि में आने वाले भक्तों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। पदयात्री श्रद्धालुओं के लिए और लोगो के लिए रस्ते को वन वे किया गया है। मंदिरो के अलावा मेले के जगह में कड़ी सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। करीब एक हजार से अधिक पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं।

चोर अंदर एटीएम काट रहे थे, बाहर पुलिस उनका इंतजार कर रही थी

फिल्मी स्टाइल में तीन शातिर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आपने एक फिल्म देखी होगी जिसमें हीरो विलेन को कहता है कि 'तुम लोग मुझे बाहर ढूंढ रहे हो और मैं तुम्हारा यहां इंतजार कर रहा हूं', ऐसा ही एक कारनामा आज दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में हुआ। मामला एटीएम में चोरी का है। 'चोर अंदर एटीएम काट रहे थे और बाहर पुलिस उनका इंतजार कर रही थी'। कुम्हारी पुलिस ने नेशनल हाइवे के किनारे स्थित कपड़ा मार्केट के पास एचडीएफसी बैंक एटीएम काटकर चोरी कर रहे अंतर्राज्जीय गिरोह के तीन सदस्यों को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार किया है। आरोपियों में दो नाबालिग शामिल हैं सभी आरोपी मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के रहने वाले हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने उनके पास से एक मोटर साइकिल, गैस कटर समेत अन्य सामान बरामद किया है।

कुम्हारी थाना प्रभारी सुधांशु बघेल ने बताया कि पेट्रोलिंग टीम देर रात गश्त कर रही थी। 21-22 मार्च की बीती रात करीब 3 बजे के आसपास पेट्रोलिंग टीम ने देखा कि एचडीएफसी बैंक के एटीएम का शटर नीचे से खुला हुआ है शक होने पर सिपाहियों ने नजदीक जाकर देखा तो एटीएम के पास एक बाइक खड़ी थी और अंदर कुछ लोगों के होने की आहट आई। इस दौरान एटीएम से सायरन बजने की आवाज आने लगी। पेट्रोलिंग टीम ने तुरंत एटीएम की घेराबंदी की। जिससे आरोपी भागने से पहले ही गिरफ्तार कर लिए गए। पकड़े गए आरोपी एटीएम मशीन को गैस कटर की मदद से काट रहे थे। एटीएम मशीन में करीब 11 लाख 48 हजार पांच सौ रुपये कैश था। जिसे पुलिस ने आरोपियों के पास से रिकवर कर लिया।

टीम को आईजी ने की नगद इनाम देने की घोषणा

कुम्हारी थाना प्रभारी सुधांशु बघेल और उनकी टीम को कार्रवाई को देखते हुए आईजी आनंद छाबड़ा ने 10 हजार नगद राशि देने की घोषणा की है। कुम्हारी पुलिस ने इस बड़ी वारदात होने से पहले तीनों आरोपियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया है। इस पूरे मामले में क्राइम ब्रांच तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। संभावना जताई जा रही कि एक बड़ा खुलासा हो सकता है।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन बीएसएफ ने की फायरिंग, तो लौटा वापिस

सांबा (एजेंसी)। जम्मू संभाग के जिला सांबा में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास मंगलवार-बुधवार की रात पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने की खबर है। बताया जा रहा है कि सीमा पार से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों की तरफसे गोलीबारी करने के बाद ड्रोन वापिस पाकिस्तान की तरफ लौट गया। इसे लेकर इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जिला सांबा के रामगढ़ सब-सेक्टर में चमलियाल सीमा चौकी पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने रात करीब ढाई बजे हवा में टिमटिमाती लाल बत्ती को सीमा पार से इस ओर आते देखा। जवानों ने मौका संभालते हुए उस पर गोलीबारी की। इसके बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया। मामले को लेकर क्षेत्र में तलाशी अभियान भी चलाया गया है।

शराब घोटाला: मनीष सिसोदिया की बढ़ीं मुश्किलें, कोर्ट ने सीबीआई मामले में 14 दिन बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में मनीष सिसोदिया की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व डिप्टी सीएम और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 14 दिन तक के लिए बढ़ा दी है। फिलहाल मनीष सिसोदिया शराब घोटाले के मामले में 22 मार्च तक ईडी की रिमांड पर हैं। सोमवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब घोटाले के सीबीआई से जुड़े मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ाई है।

बंद होगा 1488 स्कूलों में मिड-डे मील?

नियमितिकरण की मांग को लेकर रसोईया संघ का प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के 1488 प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक स्कूल में आने वाले दिनों में मध्यान्ह भोजन बंद हो सकता हैं। इसे लेकर मंगलवार को रसोइया संघ ने 15 दिन का अल्टीमेटम दे दिया है। इससे पहले रसोइया संघ ने कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली और प्रदर्शन किया। इसके बाद कलेक्टर को तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर समान काम-समान वेतन, नियमितिकरण और कलेक्टर दर पर मानदेय की मांग की है।

कलेक्टोरेट पहुंचे संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि उन्हें मात्र 1800 रुपये प्रति माह वेतन दिया जा रहा है। मात्र 50 रुपए की रोजी में आज के समय में काम कर पाना और घर परिवार चलाना काफी मुश्किल है। उनके पास आंदोलन में जाने के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा है। सरकार जब स्कूल के सफाई कर्मचारियों का मानदेय बढ़ा सकती है तो रसोइयों के लिए भी विचार करना चाहिए। जिले में करीब तीन हजार से अधिक रसोइयां हैं।

बेरोजगारों को रसोइयों से ज्यादा मिलेगा

कलेक्ट्रेट तक निकाली गई रैली में जिले के 300 से अधिक रसोइया शामिल हुए। भीड़ को देखते हुए कलेक्टोरेट का मेन गेट बंद किया गया था। रसोइये मेन गेट पर ही बैठ गए। इसके बाद कवर्धा के नायब तहसीलदार ने ज्ञापन लिया। रसोइयों ने बताया कि वर्तमान में बेरोजगारों को राज्य सरकार 2500 रुपये प्रति माह देने की तैयारी है, जबकि जिले के तीन हजार से अधिक रसोइया को मात्र 1800 रुपये वेतन मिल रहा है। हमारी स्थिति बेरोजगारों से भी बुरी है।

संपादकीय

पंजाब पुलिस की परीक्षा

चरमपंथी अमृतपाल की गिरफ्तारी के बारे में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी को पंजाब सरकार व राज्य पुलिस को गंभीरता से लेना चाहिए। अदालत ने सूबे के खुफिया तंत्र की नाकामी के प्रति तो नाराजगी जताई ही है, राज्य पुलिस से सीधा सवाल पूछा है कि आपके पास 80 हजार लोग हैं, फिर ऐसा क्यों हुआ कि इतने वक्त तक वह आपकी गिरफ्त से बाहर है? निस्संदेह, यह पंजाब पुलिस और खुफिया विभाग की लापरवाही का नतीजा है। एक ऐसा व्यक्ति, जो पूरे राज्य की शांति-व्यवस्था और इंसानियत के लिए खतरा माना जाने लगा हो, उस पर तो पुलिस की चौबीस घंटे सातों दिन कड़ी नजर होनी चाहिए थी, मगर चार दिनों की तलाशी के बाद उसका बयान है, वह कपड़े बदलकर भागा है! क्या पंजाब पुलिस यह नहीं जानती थी कि उसके राज्य की सरहदें एक ऐसे मुल्क से जुड़ी हैं, जो दहशतगर्दी को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में कुख्यात है और जिसकी बदनीयती का शिकार पंजाब लंबे अरसे तक रह चुका है? खुद अमृतपाल के बारे में अब ब्योरे हैं कि उसे आईएसआई की सरपरस्ती हासिल है और उसने बाकायदा जॉर्जिया में उससे प्रशिक्षण लिया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की टिप्पणी की अनुगूंज देश के अन्य सूबों की पुलिस को भी सुननी चाहिए। अमृतपाल जैसे राष्ट्र-विरोधी तत्व धर्म की आड़ लेकर कैसे पहले समाज में अपना रसूख बढ़ाते हैं और फिर पूरी व्यवस्था के लिए चुनौती बन जाते हैं, इस पर उनकी पैनी निगाह होनी चाहिए। यदि इनकी गतिविधियों की शुरुआत में ही शिनाख्त हो जाए, जिसके लिए ही खुफिया महकमे और स्थानीय गुप्तचर तंत्र की परिकल्पना है, तो अदालतों को हस्तक्षेप करने की नौबत ही न आए। फिर, पंजाब ने तो स्थानीय तंत्र की सक्रियता की बदौलत आतंकवाद के खिलाफ एक बेहद कठिन जंग जीती है। ऐसे में, अमृतपाल का आसानी से फरार होना बताता है कि पंजाब में यह तंत्र शिथिल पड़ गया है। वैसे, कमोबेश पूरे देश की जांच एजेंसियों की यही हालत है। सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियां भी इस उदासीनता से अछूती नहीं हैं। मेहुल चौकसी का प्रकरण इसका ताजा उदाहरण है। अमृतपाल-मामले के गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। आम आदमी पार्टी को पहली बार एक पूर्ण राज्य में हुकूमत चलाने का मौका मिला है। दिल्ली में पार्टी की केजरीवाल सरकार ने अपने अच्छे कार्यों से जो छवि बनाई है, उसके आधार पर ही उसने पंजाब में बेहतर प्रशासन का दावा किया था और वहां के लोगों ने उसे भारी बहुमत से यह मौका दिया भी है। ऐसे में, पंजाब की घटनाएं उसके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। लोकसभा चुनावों में अब ज्यादा दिन नहीं हैं, और यदि पंजाब में हालात ज्यादा बिगड़े, तो पार्टी की प्रशासनिक दक्षता पर भी सवाल खड़े होंगे। जाहिर है, विपक्षी पार्टियों के लिए आप को घेरना आसान हो जाएगा। राजनीतिक पार्टियों से अधिक यह देश के लिए चिंता की बात है कि पंजाब जैसे संवेदनशील राज्य में ऐसी स्थिति फिर से उभरी है। राज्य सरकार और पुलिस से अब ऐसे कौशल की अपेक्षा है, जिससे लोगों की धार्मिक भावना को कोई चोट भी न पहुंचे और चरमपंथी तत्व सलाखों के पीछे धकेले जा सकें। सुखद बात है कि विशाल सिख समुदाय ऐसे देश-विरोधी तत्वों की मंशा समझ रहा है। अमृतपाल प्रकरण पंजाब की आप सरकार के लिए एक कठिन परीक्षा बनकर आया है। उसमें उसे उत्तीर्ण होना होगा।

> “ आम आदमी पार्टी को पहली बार एक पूर्ण राज्य में हुकूमत चलाने का मौका मिला है। दिल्ली में पार्टी की केजरीवाल सरकार ने अपने अच्छे कार्यों से जो छवि बनाई है, उसके आधार पर ही उसने पंजाब में बेहतर प्रशासन का दावा किया था और वहां के लोगों ने उसे भारी बहुमत से यह मौका दिया भी है। ऐसे में, पंजाब की घटनाएं उसके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं।

सामयिकः ब्रिटेन का शरणार्थी संकट

ब्रिटेन का समाज मुक्त व्यापार के फायदों और अपने देश की आर्थिक प्रगति से ज्यादा अप्रवासन की उन चुनौतियों से आशंकित है, जो पूर्वी यूरोप और गृह युद्ध से जूझ रहे अरब और अफ्रीकी देशों से आ रही हैं।

यहां के निवासियों को लगता था कि यूरोपीय यूनियन में ज्यादा समय तक बने रहने से न केवल उनका सांस्कृतिक और सामाजिक परिदृश्य बदल जाएगा, बल्कि स्थानीय नागरिकों के सामने रोजगार और सुरक्षा का संकट भी गहरा सकता है। मुक्त आवाजाही को सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक उत्थान का माध्यम बनाने की यूरोपीय संघ की कोशिशों को ब्रिटेन ने ब्रेक्सिट के जरिए झटका दिया था, जो यूरोप के एकीकरण के सपनों के ध्वस्त होने जैसा था। पिछले 10 सालों में ब्रिटेन की राजनीति बहुत बदली है, जो वैश्विक मानवाधिकारों की रक्षा की नसीहतों को नजरअंदाज करने पर आमादा नजर आती है।

दरअसल, करीब 12 साल पहले ब्रिटेन की जनसंख्या के आंकड़े सामने आए तो परंपरावादी समाज में कड़ी प्रतिक्रिया देखी गई। इसके अनुसार ब्रिटेन की जनसंख्या छह करोड़ बत्तीस लाख बताई गई जिसमें ब्रिटेन के स्थानीय निवासियों का अनुपात 2001 की जनगणना के 87 फीसदी के मुकाबले घटकर 80 फीसदी रह गया। आंकड़ों के अनुसार इंग्लैंड और वेल्स में हर आठवां व्यक्ति विदेश में जन्मा है। ब्रिटेन के जनसंख्या अनुपात में पिछले 10 सालों में आए बदलाव के लिए मुख्य कारण अप्रवासियों का ब्रिटेन आना बताया गया। दिलचस्प है कि अवैध अप्रवासन का मार्ग ब्रिटेन में उस इंग्लिश चैनल को समझा जाता है, जो एक समय ब्रिटेन की सबसे बड़ी ताकत हुआ करता था। करीब 100 साल पहले ब्रिटिश नौसेना की समुद्री शक्ति का कोई मुकाबला नहीं था। ब्रिटिश साम्राज्य का निर्माण इसीलिए संभव हुआ कि रॉयल नौसेना ने यूरोप के आसपास विशेष रूप से चैनल और उत्तरी सागर के समुद्र पर निर्विवाद रूप से नियंत्रण हासिल किया था। इंग्लिश चैनल ब्रिटेन-यूरोप और उत्तर सागर-अटलांटिक, दोनों रास्तों में यातायात के साथ दुनिया के व्यस्तम समुद्री मागरे में से है। इस मार्ग से प्रति दिन 400 से अधिक जहाजों का आवागमन होता है। ब्रिटेन सरकार के अनुसार, 2022 में 45 हजार लोगों ने छोटी नावों पर सवार होकर इंग्लिश चैनल को पार किया है। यह संख्या 2021 की तुलना में 60 फीसदी से अधिक है। यूएन शरणार्थी संगठन का कहना है कि लोग शरण पाने के इरादे से जान जोखिम में डालते हुए छोटी नावों पर सवार होकर इंग्लिश चैनल समेत अन्य मागरे से होकर ब्रिटेन में अनियमित ढंग से प्रवेश करते हैं। इंग्लिश चैनल से अप्रवासन के मुद्दे पर ब्रिटेन का फ्रांस के साथ विवाद भी गहराया। इंग्लिश चैनल अटलांटिक महासागर की एक शाखा है, जो ग्रेट ब्रिटेन को उत्तरी फ्रांस से अलग करती है, और उत्तरी सागर को अटलांटिक से जोड़ती है। तकरीबन 560 किमी. लंबी और 240 किमी. चौड़ी है। फ्रांस पश्चिम यूरोप स्थित देश है किंतु इसका कुछ भूभाग संसार के अन्य भागों में भी है। यह यूरोपीय संघ का सदस्य है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यूरोप महाद्वीप का सबसे बड़ा देश है, जो उत्तर में बेल्जियम, लक्जमबर्ग, पूर्व में जर्मनी, स्विट्जरलैंड, इटली, दक्षिण-पश्चिम में स्पेन, पश्चिम में अटलांटिक महासागर, दक्षिण में भूमध्यसागर तथा उत्तर पश्चिम में इंग्लिश चैनल से घिरा है यानी यह तीन ओर सागरों से घिरा है।

अवैध प्रवासन फ्रांस में बड़ा राजनीतिक मुद्दा रहा है। फ्रांस का जुड़ाव कई देशों और समुद्रों से होने से लोग फ्रांस के तट का इस्तेमाल करना ज्यादा मुफीद समझते हैं। फ्रांस से ब्रिटेन आने वाले शरणार्थियों को लेकर ब्रिटेन ने 2021 में फ्रांस के समुद्र तटों पर हवाई निगरानी की पेशकश की थी जिसे फ्रांस से अस्वीकार्य बताया था। तत्कालीन बिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने उत्तरी फ्रांस के समुद्र तटों पर ब्रिटिश सीमा अधिकारियों द्वारा गश्त शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा था। एक-दूसरे के जल क्षेत्र में संयुक्त समुद्री गश्त और मानवयुक्त उड़ानों और ड्रोन से हवाई निगरानी की भी सिफारिश की थी।

> “ आज देश में नदियों और तालाबों की स्थिति तो और भी भयानक हो चली है। भारत की दो तिहाई छोटी नदियां नाले बनकर सूख गई हैं और जो बची हुई हैं, वे मैला ढोने वाली मालगाड़ी बन गई हैं। हम कह सकते हैं कि नदियों की हालत बहुत खराब है। जिस देश में नदियां सूखती हैं, वहां की सभ्यता भी सूखने लगती है। नदियों का हमारी सभ्यताओं व जीवन से गहरा रिश्ता है।

धरती के पेट में अब लौटा दो पानी

राजेंद्र सिंह, जलविद् और सामाजिक कार्यकर्ता

आज पूरी दुनिया में व्यापक जल संकट है। भारत में एक तरफ ग्लेशियर का पिघलना और दूसरी तरफ बाढ़-सुखाड़ का बढ़ना आम होता जा रहा है। आमतौर पर नदियों में पानी घट रहा है। ग्लेशियर जब पिघलता है, तो ऊपर नदियों के उद्गम के पास ही लोग उसका उपयोग कर लेते हैं। ग्लेशियरों के पिघलने के कारण हमारे समुद्र पर भी उसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। नदियों में जो सतत प्रवाह है, उसमें भी धीरे-धीरे संकट बढ़ता जा रहा है। जल स्रोत संकट में आते जा रहे हैं। यह जो जल स्रोत का संकट है, उससे बचने के उपाय भी बहुत साफ हैं। जहां ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उनके आसपास जंगलों का होना जरूरी है। जंगल नहीं होते हैं, तो सूरज से आने वाली लाल गरमी वहां का तापमान बढ़ा देती है और उस तापमान के चलते ग्लेशियर और तेजी से पिघलकर नीचे आने लगते हैं। जब वहां जंगल होते हैं, तो सूरज से आने वाली गरमी से धरती तपती नहीं है, उसे बुखार नहीं चढ़ता। ऐसा होने पर मौसम का मिजाज नहीं बिगड़ता है। ग्लेशियर के आसपास के इलाकों में हरियाली बढ़ाना अब बहुत जरूरी है, इन इलाकों में होने वाले कटाव को भी रोकना चाहिए।

हम अगर ग्लेशियरों को पिघलने से रोकना चाहते हैं, तो हम भारतीयों को कम से कम यह सोचना होगा कि जहां आज ग्लेशियर पिघल रहे हैं, वहां जंगल नहीं हैं, जबकि वहां पहले जंगल थे। पहले ग्लेशियर उतनी तेजी से नहीं पिघलते थे, लेकिन अब पिघलने लगे हैं। अत: जिस प्रमुख कारण से ग्लेशियर का पिघलना शुरू हुआ, उस पर हमें ध्यान देना पड़ेगा। यह साधारण तरीका है, इसके पीछे विज्ञान है। यह कोई रॉकेट साइंस नहीं है, लेकिन दुर्भाग्य से हमारी सरकारें इस काम को ध्यान से नहीं करतीं, इसलिए ग्लेशियर पिघल रहे हैं।

आज देश में नदियों और तालाबों की स्थिति तो और भी भयानक हो चली है। भारत की दो तिहाई छोटी नदियां नाले बनकर सूख गई हैं और जो बची हुई हैं, वे मैला ढोने वाली मालगाड़ी बन गई हैं। हम कह सकते हैं कि नदियों की हालत बहुत खराब है। जिस देश में नदियां सूखती हैं, वहां की सभ्यता भी सूखने लगती है। नदियों का हमारी सभ्यताओं व जीवन से गहरा रिश्ता है। हम सभी का स्वास्थ्य नदी के स्वास्थ्य से जुड़ा है, यदि हम नदियों को स्वच्छ बनाएंगे, तो नदियां हमारे स्वास्थ्य को ठीक रखेंगी और हमारे जीवन का जो कष्ट है, उसका समाधान कर देंगी।

नदियों को शुद्ध सदानीरा बनाने में अनेक छोटे-छोटे जलाशयों व तालाबों का योगदान होता है। पानी इन जलाशयों से जमीन के नीचे जाता है। अगर जलाशय ज्यादा साफ होते हैं, तो उनमें पानी भी ज्यादा रहता है। जलाशयों से भूजल का पुनर्भरण होता है। ताल, पाल, झाल ही धरती का पेट भरते आए हैं। पहले हमारे भूजल भंडार भरे हुए थे। जब जल भंडार भरे रहते हैं, तो उस राष्ट्र की मुद्रा का भी मूल्य बना रहता है। यदि ये भंडार खाली होते हैं, तो तालाब सूख जाते हैं, नदियां सूखने लगती हैं। नदियों की अविरलता, निर्मलता बचाकर रखना ही हमारे जीवन को ठीक करेगा।

पिछले 42 साल में मैंने 13 नदियों को पुनर्जीवित किया है, जिनमें से आठ नदियां तो राजस्थान की हैं। अरवरी, रूपारेल, सरसा इत्यादि नदियां सूख गई थीं, लेकिन अनवरत प्रयास से ये नदियां फिर पानीदार बन गई हैं। यह समझना चाहिए कि नदियों का उद्धार सभ्यताओं का पुनर्जीवन है। नदियां हमारी संस्कृति में हमेशा से आनंद का स्रोत रही हैं। यदि नदियां सूखती हैं, तो हमारी खुशियां भी घटती हैं।

यदि अब हम जल बचाने के काम में नहीं लगेंगे, तो ध्यान रहे, धरती पर बाढ़, सुखाड़ से स्थिति बिगड़ती जा रही है। जिस भारत भूमि पर आजादी के वक्त एक प्रतिशत से भी कम बाढ़ आती थी और तीन प्रतिशत से कम हम सुखाड़ भुगतते थे, वहां आज ये आपदाएं बढ़ गई हैं। आज भारत के 17 राज्यों के 365 जिले सुखाड़ या सूखे से प्रभावित होते हैं और देश के 190 जिले बाढ़ से प्रभावित होते हैं। सुखाड़ का बढ़ना वर्षा की कमी या अधिकता के चलते नहीं है। जो जलवायु परिवर्तन हुआ है, उसके चलते हमें यह पता ही नहीं चलता है कि कब बारिश होगी और कब नहीं? फसल चक्र भी वर्षा चक्र से कट गया है और यह कटना घातक है। जल संकट बढ़ गया है, तो आज किसान को बहुत मेहनत से अनाज उगाना पड़ रहा है।

हमें अब अपने आप से सीखना पड़ेगा। हम भारतीय कभी जल के मामले में दुनिया के गुरु हुआ करते थे। हम तब तक गुरु थे, जब तक हम भगवान को पहचानते थे। हमारे भगवान थे, भ से भूमि, ग से गगन, व से वायु, अ से अग्नि, न से नीर। ये जो पंच महाभूत हैं, इन्हीं को भारतीय जब तक भगवान मानते रहे, तब तक अपने नीर, नदी और नारियों का पूरा सम्मान करते रहे। यह जो भारतीय ज्ञान तंत्र था, इसमें आई कमी के कारण ही हम कष्ट झेल रहे हैं।

हम जल लूट लेते हैं और धरती का पेट खाली हो जाता है। जब धरती के पेट में पानी नहीं होता है, तब हम बेपानी होकर तरसते हैं। अच्छा समाज वह होता है, जो बुरे दिन आने से पहले ही संभल जाता है। राजस्थान के लोगों ने समझा। आज महाराष्ट्र, कर्नाटक व अन्य राज्यों में पानी की कमी के कारण आत्महत्या होती है, लेकिन राजस्थान में नहीं होती। राजस्थान के लोगों ने कम बारिश के बीच अपनी जिम्मेदारियों को समझा और सबसे कम बारिश होने के बावजूद वहां लोगों ने वर्षा की बूंदों को सहेजना शुरू किया। पानी एहसास या भाव से ही संरक्षित होता है।

कभी भारत में राजा पानी के लिए जमीन देते थे। प्रजा अपना पसीना लगाती थी। राजा पानी का काम करने वालों को खाना देते थे। जो लोग पानी के काम में नहीं लगते थे, उन्हें प्रेरित किया जाता था। भारत की जल व्यवस्था सामुदायिक, लेकिन विकेंद्रित थी। इसे जब हम समझेंगे, तभी दोबारा अपने को पानीदार बना सकेंगे। देश के शुभ की चिंता करनी पड़ेगी, शासक, संत, विद्वान, महाजन इत्यादि सभी को मिलकर प्रयास करने पड़ेंगे। हमें दूसरों से नकल करने की भी जरूरत नहीं है। हम अपनी विद्या पर लौट भर आएं, तो जगत को जल का उपयोग सिखा देंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जब बात सुनी जा रही, तो फिर किसानों का आंदोलन क्यों

अरविंद कुमार, पूर्व कुलपति और कृषि विशेषज्ञ

किसान आंदोलन की भूमिका फिर से तैयार होने लगी है। नई दिल्ली की महापंचायत में यह एलान किया गया है कि डेढ़ साल पहले किया गया वायदा अगर जल्द पूरा नहीं किया गया, तो एक बार फिर किसान अपनी मांगों को लेकर मुखर होंगे। 'किसान आंदोलन-1.0' की शुरुआत मूलत: उन तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुई थी, जिनको सितंबर, 2020 में अध्यादेश के जरिये लाया गया था और बाद में संसद ने मंजूर किया था। सरकार का तर्क था कि वे कानून बिचौलियों की भूमिका को खत्म करने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ उनको आत्मनिर्भर बनाने की राह प्रशस्त करते, लेकिन आंदोलनकारी इससे सहमत नहीं थे, और उन्होंने इसे पिछले दरवाजे से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) हटाने की साजिश माना। बहरहाल, नवंबर, 2021 में उन कानूनों को वापस लेने की घोषणा की गई और किसानों को यह भरोसा दिया गया कि एमएसपी को और पारदर्शी व प्रभावी बनाया जाएगा। अब उसी वायदे को अमलीजामा पहनाने की मांग किसान कर रहे हैं, हालांकि सिर्फ एमएसपी की कानूनी गारंटी नहीं, बल्कि किसानों की कर्ज मुक्ति व खाद की कीमतों को कम करना, आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को पर्याप्त मुआवजा देने का वायदा निभाना, किसानों पर दर्ज कथित फर्जी मुकदमे वापस लेना, सभी किसानों व खेत-मजदूरों के लिए 5,000 रुपये की पेंशन योजना लागू करना आदि भी उनकी मांगों में प्रमुखता से शामिल हैं।

अभी कृषि लागत और मूल्य आयोग की सिफारिश पर केंद्र सरकार 23 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करती है। इनमें धान, गेहूं, मक्का, ज्वार, बाजरा, जौ और रागी जैसे अनाज हैं, तो चना, अरहर, उड़द, मूंग और मसूर जैसे दलहन। सात तिलहन फसलें और गन्ना, कपास, जूट, नारियल जैसी नकदी फसलों के लिए भी एमएसपी घोषित की जाती है। मगर इन तमाम फसलों में मुख्यत: चावल और गेहूं जैसे खाद्यान्न ही सुर्खियों में रहते हैं, क्योंकि बाकी फसलों का बाजार मूल्य कमोबेश एमएसपी से ज्यादा ही होता है। फिर, हमें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि सरकार कोई व्यापारी नहीं है। वह फसलोपज को खरीदकर उसका व्यापार नहीं कर सकती। वह एक नीति-निर्धारक संस्था है, जो जनहित को देखते हुए गेहूं और चावल जैसे प्रमुख अनाजों का भंडारण करती है। यही वजह है कि एमएसपी में लगातार वृद्धि भी की जाती रही है। इस साल भी गेहूं के दाम में 110 रुपये का इजाफा किया गया है और 2022-23 के 2,015 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर इसे 2023-24 में 2,125 रुपये किया गया है। मसूर की एमएसपी में भी 500 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। सरसों, चने, जौ के मूल्यों में भी क्रमश: 400 रुपये, 105 रुपये और 100 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है।

जाहिर है, आंदोलनकारियों की मंशा कुछ और है। सरकार असल में बिचौलियों और मंडी की जो दुरभिसंधि है, उसे तोड़ना चाहती है। यही बात बिचौलियों को चुभ रही है और वे किसानों को उकसा रहे हैं। सरकार की नीति अगर इतनी ही खराब होती, तो 2019 से 2022 के दौरान देश में रोजगार में 5.8 करोड़ की वृद्धि नहीं होती, जिनमें से 2.8 करोड़ काम महिलाओं को मिला है। इसका एक महत्वपूर्ण पहलू कृषि भी है। सच यही है कि कृषि क्षेत्र आज भी हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और यह हमारी आर्थिकी को लगातार ऊंचाई दे रहा है। ऐसे में, आंदोलनों से विकास की राह कमजोर होती है।

उचित यही होगा कि किसानों को सरकार से निरंतर संवाद करते रहना चाहिए। अगर वे बार-बार आंदोलित हो रहे हैं, तो इसका एक अर्थ यह भी है कि सरकार की बात किसान सही तरीके से समझ नहीं पा रहे हैं। उनको ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए, जिससे देश का हित बाधित हो। जब बात नहीं सुनी जाती है, तब प्रतिरोध का रास्ता अपनाया जाता है। मगर यहां तो सरकार ने किसानों के हित में हरसंभव कदम उठाए हैं। किसान सम्मान निधि जैसी व्यवस्था भी की गई है, जिसका लाभ छोटे-बड़े, सभी किसानों को समान रूप से मिल रहा है। ऐसे में, गतिरोध बनाए रखना अनुचित होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कोविड की सीख से इनफ्लूएंजा वायरस का मुकाबला

डॉ. शशांक द्विवेदी

दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र समेत देश के कई हिस्सों में इस समय इन्फ्लूएंजा ए के सब टाइप एच3एन2 वायरस का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। केंद्र सरकार से प्राप्त अब तक के आंकड़ों के अनुसार एच3एन2 सहित इन्फ्लूएंजा के विभिन्न सब टाइप के तीन हजार से अधिक संक्रमण के मामलों की पुष्टि हुई है। दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों में एच3एन2 वायरस खतरा बढ़ गया है। इस वायरस से देश में अब तक 10 लोगों की मौत हो गई है। वहीं वायरस का सबसे ज्यादा असर महाराष्ट्र में है। यहां अब तक स्वाइन फ्लू और एच3एन2 के कुल 352 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें एच3एन2 से पीड़ित 58 मरीज हैं।

भारत में जनवरी से मार्च तक का वक्त फ्लू सीजन माना जाता है। इस दौरान लोगों में सर्दी, खांसी और बुखार जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। इस बार का फ्लू सीजन काफी अलग है। इस बार न सिफई मरीजों की संख्या कई गुना बढ़ी है, बल्कि उनकी खांसी भी हफ्तों ठीक नहीं हो रही। मरीजों को आईसीयू में भर्ती करने की भी नौबत आ रही है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि लैब में टेस्ट किए गए इन्फ्लूएंजा सैंपल्स में से लगभग 79 फीसदी में एच3एन2 वायरस पाया गया है। इसके बाद 14 फीसदी सैंपल्स में इन्फ्लूएंजा बी विक्टोरिया वायरस पाया गया है और 7 फीसदी में इन्फ्लूएंजा ए एच1एन1 वायरस पाया गया है। एच1एन1 को आम भाषा में स्वाइन फ्लू भी कहा जाता है। इन्फ्लूएंजा वायरस एच3एन2 के तेजी से फैलने के बारे में विशेषज्ञों ने पहले ही आगाह किया था। तब इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने कहा था कि पिछले 2-3 महीनों में इन्फ्लूएंजा टाइप ए के सबटाइप एच3एन2 के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वायरस को लेकर कहा कि ये वायरस भीड़-भाड़ वाली जगहों में आसानी से लोगों को अपना शिकार बनाता है।

एच3एन2 इन्फ्लूएंजा वायरस से संक्रमण के बाद गंभीर लक्षण विकसित होने की संभावना अधिक होती है। इनको बीमारी से उबरने में अधिक समय लग सकता है। पिछले तीन साल में ज्यादातर लोग कोविड-19 से प्रभावित हुए हैं। इसका असर अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के साथ इम्यून सिस्टम पर भी देखा जा सकता है। एंटीजेनिक ड्रिफ्ट के कारण फ्लू वायरस हर साल बदलता है और मौजूदा समय में प्रमुख वायरस एच3एन2 है।

इन्फ्लूएंजा वायरस पर मेदांता के इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनल मेडिसिन एंड रेस्पिरेटरी एंड स्लीप मेडिसिन के अध्यक्ष और चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया के मुताबिक एच3एन2 एक प्रकार का इन्फ्लूएंजा वायरस है। ये हर साल इस मौसम में होता है। उन्होंने बताया कि ये इस तरह का वायरस है जो समय के साथ म्यूटेट होता है। इसे मेडिकल की भाषा में एंटीजेनिक ड्रिफ्ट कहते हैं। एच1एन1, वायरस का वर्तमान सर्कुलेटिंग स्ट्रेन एच3एन2 है, इसलिए यह एक सामान्य इन्फ्लूएंजा स्ट्रेन है। उनका कहना है कि इसलिए मौजूदा वक्त में हम इन्फ्लूएंजा के केसों में बढ़ोतरी देख रहे हैं। इसके मरीजों में बुखार, गले में खराश, खांसी, शरीर में दर्द और नाक बहने के मामले बढ़ रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, मौसमी इन्फ्लूएंजा वायरस की वजह से होने वाला सांस का एक तेज संक्रमण है जो दुनिया के सभी हिस्सों में फैलता है, और विश्वस्तर पर कुछ महीनों के दौरान इसके मामलों में बढ़ोतरी देखी जाती है। भारत में हर साल मौसमी इन्फ्लूएंजा दो बार चरम पर होता है। एक जनवरी से मार्च तक और दूसरा मानसून के बाद होता है। भारत में अब तक केवल एच3एन2 और एच1एन1 संक्रमण का पता चला है।

कोविड महामारी के दो साल बाद, बढ़ते फ्लू के मामलों ने लोगों में फिक्र बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, मौसमी इन्फ्लूएंजा वायरस ए, बी, सी और डी चार तरह का होता है। इनमें ए और बी से मौसमी फ्लू होता है। इन्फ्लूएंजा ए के दो प्रकार एच3एन2 और एच1एन1 होते हैं। इन्फ्लूएंजा टाइप बी का कोई प्रकार नहीं होता, लेकिन लाइनेज होते हैं। इनमें सी सबसे कमजोर और कम खतरे वाला माना जाता है। इसका डी टाइप मवेशियों को शिकार बनाता है। आईसीएमआर के मुताबिक, सर्विलांस डेटा बताता है कि 15 दिसंबर के बाद से एच3एन2 के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। इन मामलों में सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन वाले आधे से ज्यादा मरीज एच3एन2 के संक्रमण से ग्रस्त रहे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों के लिए इन्फ्लूएंजा वायरस एच3एन2 का संक्रमण गंभीर हो सकता है। उन्होंने कहा कि लोग मास्क का इस्तेमाल करते रहेंगे तो इससे काफी हद तक बचाव किया जा सकेगा। उन्होंने जानकारी दी थी कि इस वायरस के लिए वैक्सीनेशन शुरू करने का निर्णय लेने की बात चल रही है। सभी वायरल बुखारों में लगभग समान लक्षण होते हैं। शुरुआत में यह अंतर करना बहुत मुश्किल है कि आपको कौन-सा वायरल इन्फेक्शन है। आइसीएमआर ने हाल में अपनी स्टडी में पाया कि वर्तमान में लोगों में जो इन्फेक्शन हो रहा है वो बड़े पैमाने पर एच3एन2 इन्फ्लूएंजा वायरस का है, कोरोना का नहीं है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल भारत में इन्फ्लूएंजा के मामले जिस तेजी से बढ़े हैं उससे लगता है कि यह दौर लंबे समय तक चलेगा। इसके लक्षण जैसे खांसी और खराश तीन हफ्ते तक रह सकते हैं। वहीं आमतौर पर मौसमी बुखार और खांसी करीब पांच से सात दिन तक रहते हैं।

इन्फ्लूएंजा एच3एन2 (एच3एन2) में सतर्कता बरतनी जरूरी है। इसकी संक्रमण क्षमता ज्यादा है। जुकाम, बुखार, खांसी व शरीर में दर्ज जैसे सामान्य लक्षण हैं। जिन लोगों को सांस संबंधी कोई बीमारी, एलर्जी, ब्लड प्रेशर व शुगर की समस्या है, वे ज्यादा सावधानी बरतें। इन्फ्लूएंजा पर जो अध्ययन हुए हैं, उसके मुताबिक, इन्फ्लूएंजा की चपेट में आने वाला एक व्यक्ति चार और लोगों को संक्रमित कर सकता है। संक्रमित व्यक्ति से जितनी दूरी बनाए रखेंगे, उतना ही अच्छा रहेगा। इन्फ्लूएंजा बिल्कुल कोरोना संक्रमण जैसा है। लिहाजा, मास्क लगाने व समय-समय पर हाथ धुलने की आदत बनाए रखनी चाहिए। इधर बच्चों में बुखार, सिरदर्द, जुकाम और खांसी की समस्या बढ़ी है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

मंत्री मोहम्मद अकबर से संबंधित विभागों की वर्ष 2023-24 के लिए 4482 करोड़ रूपए की अनुदान मांगे पारित

छत्तीसगढ़ में वनों के संरक्षण तथा संवर्धन सहित वनवासियों के उत्थान पर विशेष जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन, आवास एवं पर्यावरण, परिवहन तथा विधि-विधायी मंत्री मोहम्मद अकबर द्वारा आज विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अपने विभागों से संबंधित 4 हजार 481 करोड़ 80 लाख रूपए की प्रस्तुत अनुदान मांगे ध्वनि मत से पारित की गई।

इनमें न्याय प्रशासन एवं निर्वाचन के लिए 707 करोड़ 19 लाख रूपए, परिवहन विभाग के लिए 124 करोड़ 75 लाख रूपए, आवास एवं पर्यावरण विभाग के लिए 955 करोड़ 25 लाख रूपए और वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के लिए 2 हजार 694 करोड़ रूपए की राशि शामिल हैं।

वन्य एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री अकबर द्वारा प्रस्तुत अनुदान मांगों में राज्य में वनों के संरक्षण तथा संवर्धन सहित वनवासियों के उत्थान पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही इसमें स्थानीय वनवासियों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा तथा उनके आय के साधन में वृद्धि के लिए पूरा-पूरा ध्यान रखा गया है। इसके तहत वर्ष 2023-24 के बजट में आज 21 मार्च को विश्ववानिकी दिवस के अवसर पर शुरूआत हुई राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना के लिए बजट में 100 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। इसी तरह छत्तीसगढ़ प्रतीकात्मक वनरोपण निधि से व्यय के लिए 1000 करोड़ रूपए का प्रावधान रखा गया है। छत्तीसगढ़ में वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में वन विभाग अंतर्गत ईमारती लकड़ी के व्यापार में वृद्धि करने के लिए 166 करोड़, पर्यावरण वानिकी हेतु 33 करोड़, राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारण्यों के विकास के लिए 29 करोड़ रूपए तथा अभ्यारण्य क्षेत्रों के लिए 41 करोड़ 46 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। राज्य में भू-जल तथा जल संरक्षण कार्यों के लिए 280 करोड़ रूपए का प्रावधान रखा गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में कैम्पा मद अंतर्गत वनांचल में नरवा विकास कार्यक्रम के तहत बढ़े पैमाने पर भू-जल संरक्षण संबंधी कार्य किए जा रहे है। इसके तहत वनांचल में चार वर्षों के दौरान 6 हजार 395 नालों में डेढ़ करोड़ से अधिक संरचनाओं का निर्माण प्रगति पर है। इससे लगभग 23 लाख हेक्टेयर भूमि का उपचार होगा।

प्रदेश में छत्तीसगढ़ में अब तक वन क्षेत्रों में बड़े तादाद में वन अधिकार मान्यता प्रदान की गई है। इसके अलावा राज्य में तेंदूपत्ता संग्राहकों के सामाजिक सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए राज्य सरकार द्वारा शहीद महेन्द्र कर्मा सामाजिक सुरक्षा योजना लागू की गई है। इसमें तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार के मुखिया की सामान्य मृत्यु पर दो लाख रूपए तथा दुर्घटना मृत्यु पर 4 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। इसी तरह वनवासियों के उत्थान के लिए वर्ष 2018-19 में तत्कालीन सरकार द्वारा मात्र 07 वनोपजों का भारत सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर क्रय किया जाता था।

राज्य सरकार द्वारा इसे बढ़ाकर वर्तमान में 65 लघु वनोपजों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था की गई है। इसके परिणाम स्वरूप लगातार तीन वर्षों से छत्तीसगढ़ राज्य ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर पूरे देश का 74 प्रतिशत लघु वनोपज खरीदी कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है।

खास खबर

मुख्यमंत्री ने नव संवत्सर, चैत्र नवरात्रि और गुड़ी पड़वा की दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्रि, नव संवत्सर और गुड़ी पड़वा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर सभी नागरिकों के लिए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि चैत्र माह के पहले दिन से हिन्दू नववर्ष और नया संवत्सर शुरू होता है। इस दिन से नौ दिनों तक चलने वाले शक्ति आराधना के पर्व नवरात्रि का भी शुभारंभ होता है। महाराष्ट्र में इस दिन गुड़ी पड़वा का त्यौहार मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में मां शीतला, दंतेश्वरी, महामाया, बम्लेश्वरी, कंकाली, गंगा मैया, बिलईमाता, चंद्रहासिनी देवी तथा अन्य स्वरूपों में मां भगवती विराजमान हैं। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर छत्तीसगढ़ में लोग भक्ति-भाव और उत्साह के साथ नौ दिनों तक देवी आराधना का पर्व मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने देवी भगवती से प्रार्थना की है कि उनका आशीष प्रदेशवासियों पर बना रहे और प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हो।

सोलर पंप की सुविधा से खिल उठे किसानों के चेहरे

कांकेर। जिले के कृषक अब आधुनिक तकनीकों के उपयोग कर कृषि कार्य से अपने जीवन में बदलाव ला रहे है। षासन-प्रषासन की मदद से अंदरूनी क्षेत्रो में बसे कृषकों को अब विषम भौगोलिक स्थिति में भी कृषि कार्यो के प्रति प्रोत्साहन मिला रहा है। वे षासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेते हुए उन्नत खेती कर एक बेहतर जीवनषैली की ओर आगे बढ़ रहें है। किसी भी फसल की अच्छी पैदावार के लिए उचित देखरेख के साथ आवष्यकतानुसार पानी जरूरी है, अंदरूनी क्षेत्र के गांवों में मूलतः विद्युत आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था के अभाव में कृषकों को खेत तक पानी पहुंचाने की समस्या का सामना करना पड़त है। विद्युतविहीन खेतों में सोलर पम्प स्थापना से प्रदूषण रहित निःशुल्क बाधारहित सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है। विकासखण्ड नरहरपुर अंतर्गत ग्राम चोरिया निवासी मति महेष्वरी वट्टी ने बताया कि उन्हे सिंचाई संसाधन उपलब्ध नही होने के कारण कृषि कार्य में परेषानियों का सामना करना पड़ता था, जिसके कारण आर्थिक स्थिति कमजोर थी। शासन की सौर सुजला योजना की जानकारी प्राप्त होते ही अपने खेतों में 05 एच.पी. के सोलर पंप का स्थापना किया, जिसके बाद वे अपने खेतों में ड्रिप के माध्यम से साग-सब्जी की खेती के साथ-साथ मडिया, उड़द, कुल्थी का उत्पादन कर रहे है।

शिक्षित बेरोजगारों को मिलेगा 2500 रुपए प्रतिमाह की दर से बेरोजगारी भत्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा 1 अप्रैल 2023 से प्रदेश के शिक्षित बेरोजगारों को 2500 रुपए प्रतिमाह की दर से बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की गई है। इस संबंध में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा योजना की स्वीकृति प्रदान करते हुए आदेश जारी कर दिया गया है। संचालक रोजगार एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ रायपुर ने बताया कि बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने के लिए निर्धारित मापदण्ड एवं शर्तों के अनुसार बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने के लिए आवेदक का छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना आवश्यक है।

शिक्षित बेरोजगारों की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी आवश्यक है। वह मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम हायर सेकंडरी (12वीं) उत्तीर्ण हो। वह जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्ग दर्शन केंद्र में पंजीकृत हो और आवेदन के वर्ष के 1 अप्रैल को हायर सेकंडरी अथवा उससे अधिक योग्यता में उसका रोजगार पंजीयन न्यूनतम दो वर्ष पुराना हो। आवेदक की आय का कोई स्त्रोत न हो एवं आवेदक के परिवार की समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय 2 लाख 50 हजार रुपए से अधिक न हो। परिवार से तात्पर्य है-पति, पत्नी एवं आश्रित बच्चे एवं आश्रित माता-पिता।

पात्र शिक्षित युवा को प्रथमतः एक वर्ष के लिए बेरोजगारी भत्ता देय होगा। यदि व्यक्ति विशेष का एक वर्ष की इस अवधि में लाभकारी नियोजन नहीं हो पाता है, तो बेरोजगारी भत्ते की अवधि एक वर्ष के लिए और बढ़ाई जा सकेगी। किसी भी प्रकरण में यह अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होगी।

एक परिवार से एक ही व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता दिया जायेगा। यदि किसी परिवार के किसी व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया जा चुका है, तो दूसरा व्यक्ति अपात्र होगा। आवेदक के परिवार के किसी भी सदस्य को केन्द्र अथवा राज्य सरकार की किसी भी संस्था अथवा स्थानीय निकाय में चतुर्थ श्रेणी या ग्रुप डी को छोड़कर अन्य नौकरी होने पर ऐसा आवेदक बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र होगा। यदि आवेदक को स्वरोजगार या शासकीय अथवा निजी क्षेत्र में किसी नौकरी को ऑफर दिया जाता है, परन्तु आवेदक ऑफर स्वीकार नहीं करता है, तो ऐसा आवेदक बेरोजगारी भत्ता के लिए अपात्र होगा।

पूर्व और वर्तमान मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और संसद या राज्य विधान सभाओं के पूर्व या वर्तमान सदस्यों, नगर निगमों के पूर्व और वर्तमान महापौर और जिला पंचायतों के पूर्व और वर्तमान अध्यक्ष के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ता के लिए अपात्र होंगे। 10,000/- रूपये या उससे अधिक की मासिक पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशन भोगी के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र होंगे। वे परिवार जिन्होंने पिछले असेस्मेंट ईयर में इनकम टैक्स भरा हो, उनके परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र होंगे। अन्य पेशेवर जैसे-इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड एकाऊन्टेंट और पेशेवर निकायों के साथ पंजीकृत ऑर्किटेक के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ता के लिए अपात्र होंगे। बेरोजगारी भत्ते की राशि पात्र हितग्राही के बैंक खाते में प्रतिमाह अंतरित की जाएगी। जिन लोगों को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया जाएगा उन सभी व्यक्तियों को कौशल विकास प्रशिक्षण का ऑफर दिया जाएगा। कौशल विकास प्रशिक्षण के पश्चात् उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सहायता की जाएगी और यदि वे कौशल विकास प्रशिक्षण में भाग लेने से इनकार करते हैं या ऑफर किया गया रोजगार स्वीकार नहीं करते हैं तो उनका बेरोजगारी भत्ता बंद कर दिया जाएगा।

मितान योजना के तहत 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को घर बैठे मिल रही आधार कार्ड की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। नगर निगम के तहत सभी वार्डों में शिविर लगाकर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार कार्ड बनाया जा रहा है। यह शिविर नगर निगम के द्वारा लगाया गया है, जिसमें मितान योजना के अंतर्गत काम करने वाले मितान बच्चों के रजिस्ट्रेशन का कार्य कर रहे हैं। शुक्रवार को यह शिविर ई.बी.ए मिशन स्कूल में लगाया गया। जहां लगभग 100 बच्चों का रजिस्ट्रेशन करवाया गया। बता दें कि मितान योजना के तहत सभी लोगों तक लाभ पहुंचाने के लिए यह शिविर जगदलपुर के सभी 48 वार्डों निर्धारित तिथियों में लगाई जाएगी। फिलहाल निगम द्वारा 6 वार्डों में यह शिविर लगाई जा चुकी है। मदन मोहन मालवीय वार्ड के पार्षद सुर्या पानी का कहना है कि सरकार की मितान योजना का लाभ हर वर्ग के लोगों को आसानी से मिल रहा है। लगभग हर दिन हर वार्ड में शिविर लगाकर मितान बच्चों के आधार कार्ड बनाने का कार्य कर रहे हैं। स्लम एरिया में इस तरह के शिविर काफी लाभदायक होते हैं। यहां रजिस्ट्रेशन करवाने के बाद 5 से 7 वर्किंग दिनों में आधार कार्ड जारी हो जाएगा। इसी वार्ड की शहनाज अपनी पोती का आधार कार्ड बनवाने पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि अपनी पोती के आधार कार्ड के लिए उन्होंने च्वाइस सेंटर पर पता किया था। लेकिन इस शिविर में उन्हें पैसे भी नहीं लगे और समय भी। सरकार की मितान योजना काफी अच्छी है। दरअसल मुख्यमंत्री मितान योजना का उद्देश्य लोगों को घर तक सरकारी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। इस योजना के द्वारा राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार अपडेट जैसी सेवाओं का लाभ नागरिकों को दी जा रही है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री मितान योजना से लाभान्वित होने के लिये आवेदक को मितान की सेवा के लिये टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल करना होता है। इसके बाद अपॉइंटमेंट बुक होता, फिर आवेदक को बुकिंग की जानकारी के साथ एक एसएमएस प्राप्त होता है। इसके बाद तय समय और तारीख को मितान आवेदक के घर पहुंचकर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करते हैं। मितान घर पहुंचकर टैबलेट के माध्यम से दस्तावेजों को सत्यापित कर पोर्टल पर अपलोड करते हैं। बाद में सत्यापित दस्तावेजों को संबंधित विभागों को ऑनलाइन भेजे जाते हैं जो आवेदक से संबंधित दस्तावेज की समीक्षा के बाद प्रमाण पत्र जारी करते हैं।

मां दंतेश्वरी मंदिर में 3500 से अधिक दीप होगे प्रज्वलित

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। चैत्र नवरात्र को लेकर बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर में तैयारी शुरू हो गई हैं। इस बार मां दंतेश्वरी मंदिर में 3500 से भी अधिक दीप प्रज्वलित किये जायेंगे। टेंपल कमेटी के द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। माता के दर्शन और मनोकामना दीप प्रज्वलित करने श्रृद्धालुओं के द्वारा आन लाइन-आफ लाईन रशीद कटवाई जा रही हैं। इस बार भी देश के कोने कोने से भक्तों द्वारा मनोकामन दीप जलाये जा रहे हैं। साथ ही सात समंदर पार से भी मां दंतेश्वरी मंदिर दंतेवाड़ा में दीप प्रज्वलित करने भक्तो द्वारा आन लाइन बुकिंग किया गया है।

दंतेवाड़ा स्थित दंतेश्वरी मंदिर में प्रति वर्ष नवरात्र में एक जोत अमेरिका के वाशिंगटन के शुक्ला परिवार की जलती है। ये जोत सुषमा मनीष शुक्ला के नाम से विगत कई सालों से जलती आ रही है और इस बार भी वाशिंगटन के शुक्ला परिवार ने 11सौ रुपये आनलाइन तेल की मनोकामना जोत जलाने बुकिंग करवा ली है। दंतेवाड़ा स्थित दंतेश्वरी मंदिर में इस बार पांच हजार जोत जलाने की बात कही जा रही है।

मिलेट्स से संबंधित पौष्टिक लाभ के लिए जागरुकता कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। कुपोषण एवं एनिमिया के स्तर में कमी लाने के उद्देश्य से वर्ष 2018 से पोषण अभियान का संचालन किया जा रहा है। व्यक्तिगत एवं समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधित व्यवहार परिवर्तन पोषण अभियान का एक मुख्य उद्देश्य है।

पोषण पखवाड़ा 2023 : पोषण पखवाड़ा आयोजन

उक्त उद्देश्य के अनुश्रवण हेतु जनआंदोलन गतिविधि अंतर्गत प्रतिवर्ष विभिन्न विभागों के साथ समन्वय करते हुये पोषण पखवाड़ा का आयोजन माह मार्च एवं अप्रैल में किया जाता है। भारत सरकार महिला एवं बाल विकास विभाग के संलग्न संदर्भित पत्र अनुसार इस वर्ष भी 20 मार्च 2023 से 03 अप्रैल 2023 तक पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जाना है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2023 को इंटरनेशनल ईयर आफ मिलेट्स घोषित किया गया है। पूरक पोषण आहार कार्यक्रम अंतर्गत आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से मिलेट्स आधारित व्यंजन प्रदाय किया जा रहा है। इस वर्ष पोषण पखवाड़ा आयोजन अंतर्गत मिलेट्स से संबंधित पौष्टिक लाभ हेतु जन जागरुकता लाया जाना है स्वस्थ्य बालक, बालिका स्पर्धा का आयोजन करते हुये लक्षित बच्चों के उँचाई एवं वजन मापन को प्रमुखता देना है तथा सक्षम आँगनबाड़ी के प्रति जनसमुदाय को जागरुक करना है। पोषण पखवाड़ा 2023 के दौरान मुख्य रुप से पोषण कल्याण के लिये श्री अन्न, मिलेट्स का प्रचार प्रसार और लोकप्रियता स्वस्थ्य बालक, बालिका स्पर्धा, सक्षम आँगनबाड़ी केन्द्र संबंधित प्रचार प्रसार थीम पर गतिविधियाँ आयोजित की जानी है।

जिले में 20 मार्च 2023 से पोषण पखवाड़ा 2023 का शुभारंभ हो चुका है। 21 मार्च 2023 को कैलेण्डर के आधार पर वीएचएसएनडी दिवस मिलेट्स जागरुकता, कैम्प का आयोजन, गृहमेंट स्वास्थ्य विभाग के समन्वय के साथ आयोजन किया गया।

अब बस भी करो एसपी साहब

श्रीकंचनपथ

समाज में सबकुछ सही नहीं होता। लोगों की जरूरतें भिन्न-भिन्न प्रकार की हो सकती हैं। कुछ बातें सार्वजनिक तौर पर की जा सकती हैं पर कुछ बातें ऐसी भी होती हैं जिनकी चर्चा सबके सामने नहीं की जानी चाहिए। ऐसा ही एक मामला यौन क्षुधा या यौन तृप्ति का भी है। सेक्स की भूख अनादिकाल से रही है। पुराणों में उल्लेख है कि गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या रूपवती थी। वह इतनी सुन्दर थी कि दिन रात अप्सराओं से घिरे रहने वाले इन्द्र भी खुद को रोक नहीं पाए और ऋषि का रूप धारण कर अहिल्या के साथ संबंध बनाए। छल-कपट से संबंध बनाने को आधुनिक समाज रेप के रूप में परिभाषित करता है। जब यह राज खुला तो ऋषि ने इन्द्र को नपुंसक हो जाने का और अहिल्या को पाषाण बन जाने का श्राप दिया। इसी अहिल्या को बाद में प्रभु श्रीराम ने अपने स्पर्श से पुनर्जीवित किया। अनेक ऋषियों की तपस्याएं इन्द्र के कहने पर ही अप्सराओं ने भंग की थी। ऐसे कई मामले पुराणों में वर्णित हैं। देवदासियां भी इसी का एक रूप थीं। सेक्स वर्कर्स समाज की जरूरत रहे हैं। अलग-अलग राज्य और देशों में यह अलग-अलग रूप में विद्यमान रहा है। अंग्रेजों ने अपने शासनकाल में लालबत्ती क्षेत्रों की स्थापना की। जहां-जहां सैनिकों की छावनी बनी वहां भी सेक्सवर्कर्स उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई। मुगलकाल में ताजमहल बनाने वाले कारीगरों को स्थल छोड़ने की इजाजत नहीं थी। उनके लिए भी आमोद प्रमोद की व्यवस्था स्थानीय तौर पर की गई थी। इनमें सेक्सवर्कर्स भी शामिल थे। 20वीं सदी के अंत में इसे उलटने की एक नाकाम कोशिश हुई। कई शहरों के रेडलाइट एरिया बंद कर दिये गये। इसके बाद सेक्स वर्कर गली मोहल्लों में किराए के मकान से आपरेट करने लगे। इंटरनेट आने के बाद इसका स्वरूप बदल गया। डेटिंग एप्स और साइट्स के जरिये यह धंधा भी हाईप्रोफाइल हो गया। एडल्ट फिल्म इंडस्ट्री फलने फूलने लगी जिसके करोड़ों व्यूअर्स हैं। अब पुरुष सेक्स वर्कर भी होने लगे हैं। इन्हें जिगोलो कहा जाता है और इनकी संख्या महिला सेक्स वर्कर्स से ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। दुर्ग के एक बुजुर्ग भी जिगोलो बनने के ऑफर में फंस गए। जिगोलो बनाने का ऑफर देकर उनसे 11 लाख रुपए ठग लिए गए। पुलिस को दिया उनका बयान सार्वजनिक हो गया। इसके बाद होने को तो कुछ भी हो सकता है पर उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? एसपी साहब समाज में जागरूकता ला रहे हैं, उसकी गंदगी साफकरने की कोशिश कर रहे हैं, यह अच्छी बात है पर वे एक मनोरोग विशेषज्ञ भी हैं। किसी की सार्वजनिक छवि बिगाड़ने के कैसे-कैसे परिणाम आ सामने आ सकते हैं, इसे वे बेहतर जानते हैं। कानून सेक्स वर्कर के विज्ञापन पर रोक लगाता है। नंबर सार्वजनिक करने पर उसे 10 महीने की सजा हो सकती है। मामले में नाबालिग के शामिल होने पर 10 साल तक की सजा हो सकती है।

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

BIG BRAND
Premium Store

30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

सामूहिक कन्या विवाह में वर-वधु को आर्शीवाद देने आरंग पहुंचे मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया

80 जोड़े परिणय सूत्र में आबद्ध हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना आरंग एवं मंदिर हसौद के संयुक्त तत्वाधान में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन अम्बेडकर भवन आरंग में किया गया था। जिसमें प्रदेश के नगरीय प्रशासन, विकास एवं श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। डॉ. डहरिया ने इस मौके पर सभी वर-वधु को आर्शीवाद दिया और उनके सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

डॉ. डहरिया ने कहा कि प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है कि हमारे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बेटियों के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत् गरीब परिवार की बेटियों का गरिमामय तरीके से विधि-विधान के साथ सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया जाता है। सामूहिक कन्या विवाह में 80 जोड़ों विवाह सम्पन्न कराया गया एवं

शासन की ओर से मिलने वाली सहायता राशि का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में चन्द्रशेखर चन्द्राकर, अध्यक्ष नपा. आरंग, खिलेश्वर देवांगन अध्यक्ष जनपद पं. आरंग, केशरी मोहन साहू जिला पंचायत सदस्य रायपुर, अनिता थानसिंग साहू जिला पंचायत सदस्य रायपुर, कोमल सिंह साहू,भारती देवांगन, नरसिंग साहू, शरद गुप्ता, दीपक चन्द्राकर, सूरज सोनकर, राममोहन लोधी,खिलावन निषाद, जितेन्द्र शर्मा, गौरी बाई देवांगन, मंगलमूर्ति अग्रवाल, राजेश्वरी साहू, गणेश बांधे, उपेन्द्र साहू, सजल चन्द्राकर, तुलसी भाई पटेल, नेहरू डांडे, सदाराम जलक्षत्री, भानूप्रताप शर्मा, पवन साहू, अवधराम साहू, मुन्नालाल साहू, पुष्पा महंती, कुंती साहू, जनकराम साहू, किशन डहरिया, संतराम बर्मन, भुनेश्वर धीवर, निशा मिश्रा जिला परियोजना अधिकारी, ऋषि बंजारे ब्लाक परियोजना अधिकारी आरंग, लता सिंह परियोजना अधिकारी मंदिरहसौद, अंजना शर्मा, तरूण कांति एक्का, निर्मला खलखो, केशर द्विवेदी, प्रमीला गणवीर, सविता टंडन, सरस्वती सोनी, रानो ठाकुर गोस्वामी, अंजु एक्का, ममता गायकवाड़ आशा पात्रे, ऋतु परिहार, राजकुमारी द्विवेदी, झरन धीवर, अल्का सक्सेना, अंजू लहरे सहित वर-वधु के सगे संबंधी उपस्थित थे।

खास खबर...

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने सीमेंट प्लांट खरीदेगा गोबर

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में मंगलवार को विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में सीमेंट उद्योग और जिला प्रशासन बलौदाबाजार-भाटापारा के बीच एमओयू हुआ।

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा विकासखण्ड में स्थापित सीमेंट उद्योग ने गोबर क्रय करने की सहमति दी है। कोयले की जगह ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने श्री सीमेंट प्रतिदिन 10 मीट्रिक टन गोबर खरीदेगा। एडीशनल फ्यूल रिर्सोसेज के रूप में गोबर का भट्टी को गरम करने में कोयले के साथ उपयोग किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, कलेक्टर बलौदाबाजार-भाटापारा रजत बंसल और श्री सीमेंट के रवि तिवारी भी उपस्थित थे।अधिकारियों ने बताया कि श्री सीमेंट के सबसे समीप के गांव चण्डी में गोबर अन्य स्थानों से एकत्र कर कंपनियों को दिया जायेगा। गोबर की पूर्ति सीमेंट उद्योग के 15 किलोमीटर के परिधि वाले 16 गांव से प्रतिदिवस 10 मीट्रिक टन गोबर प्रदाय किया जाएगा। कम्पनी को अब तक 38.8 मीट्रिक टन गोबर प्रदाय किया जा चुका है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 07 गौ-शालाएं हैं, जिसमें 1739 पशुओं को रखा गया है, इनमें 04 सिमगा विकासखण्ड में ही स्थित है जो 20-25 किलोमीटर की दूरी पर है। गौ-शालाओं से भी प्रति दिवस 6 मीट्रिक टन गोबर प्रदाय की संभावना है। जिले में उद्योगों के समीपस्थ लगभग 95 गांव हैं, जिसमें पशुओं की संख्या लगभग 80 हजार है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ शासन की गोबर खरीदी की गोधन न्याय योजना से प्रभावित होकर गोबर के उपयोग के नए-नए नवाचार सामने आ रहे हैं। गोबर से वर्मी कम्पोस्ट, दिये और गमले बनाने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में अब प्राकृतिक पेंट और बिजली का उत्पादन भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के श्री सीमेंट उद्योग ने एडीशनल फ्यूल रिर्सोसेज के रूप में गोबर का उपयोग करने का फैसला किया है।

सभी शासकीय अस्पतालों में 1 जून से कैशलेस व्यवस्थाः टीएस सिंहदेव

मंत्री टीएस सिंहदेव के विभागों के लिए 5122 करोड़ 8 लाख 71 हजार रुपए की अनुदान मांगे पारित

डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना से प्रदेश के 85 प्रतिशत परिवार लाभान्वित

सिकलसेल की जांच के लिए 51 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग

मितानिनों को हर महीने मिलेंगे 2200 रूपए का मानदेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, वाणिज्यिक कर और बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री टी.एस. सिंहदेव के विभागों के लिए कुल 5122 करोड़ आठ लाख 71 हजार रुपए की अनुदान मांगे सर्वसम्मति से पारित की गईं। इनमें लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 3207 करोड़ 70 लाख 90 हजार रुपए, चिकित्सा शिक्षा विभाग से संबंधित व्यय के लिए 1574 करोड़ 48 लाख तीन हजार रुपए, वाणिज्यिक कर विभाग से संबंधित व्यय के लिए 335 करोड़ 76 लाख 63 हजार रुपए तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग से संबंधित व्यय के लिए चार करोड़ 13 लाख 15 हजार रुपए शामिल हैं।

स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए सदन को बताया कि प्रदेश के सभी शासकीय अस्पतालों में आगामी एक जून से कैशलेस व्यवस्था चालू हो जाएगी। मरीजों को इलाज, जांच एवं दवाओं के लिए एक रूपया भी नहीं देना होगा। ओपीडी, आईपीडी, दवा एवं सभी तरह की डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदेशवासियों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस पर अपनी स्वीकृति दी है। उन्होंने कहा कि कैशलेस व्यवस्था से यूनिवर्सल हेल्थ केयर की परिकल्पना के अनुरूप स्वास्थ्य को एक अधिकार का रूप देने के लक्ष्य को हासिल करने के साथ ही प्रदेश की न्याय योजनाओं में एक और आयाम जुड़ेगा। इससे कैशलेस शासकीय अस्पताल की परिकल्पना पूर्ण होगी।

श्री सिंहदेव ने कहा कि यूनिवर्सल हेल्थ केयर की अवधारणा को साकार करने में मानव संसाधन की अहम भूमिका है। प्रदेश में वर्ष 2017-18 में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या 179 थी जो पिछले 4 वर्षों में बढ़कर 534 हो गई है। विगत 4 वर्षों में ही इसमें तीन गुना वृद्धि हुई है। बीते 4 वर्षों में चिकित्सा अधिकारियों की संख्या 1302 से बढ़कर 2413 एवं दंत चिकित्सकों की संख्या 67 से बढ़कर 222 हो गई है। उन्होंने कहा कि 2017-18 में प्रदेश में डायलिसिस की सुविधा केवल तीन स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध थी, जो आज बढ़कर 29 स्वास्थ्य केन्द्रों तक पहुंच चुकी है। इन केन्द्रों में इस साल किडनी के मरीजों के 42 हजार डायलिसिस किए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने सदन में बताया कि डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ प्रदेश के 85 प्रतिशत परिवारों को मिल रहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत दुर्लभ एवं गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए 20 लाख रूपए तक की राशि जरूरतमंदों को प्रदान की जा रही है। छत्तीसगढ़ आयुष्मान कार्ड बनाने में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने बताया कि डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के लिए वर्ष 2023-

24 के लिए 990 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया है, जो कि 2018-19 की तुलना में तीन गुना वृद्धि है। स्वास्थ्य योजनाओं में केन्द्रांश एवं राज्यांश का अनुपात वर्ष 2018-19 में 40:60 प्रतिशत हुआ करता था, यह अब 30:70 प्रतिशत हो गया है। आने वाले वर्षों में यह अनुपात 20:80 प्रतिशत हो जाएगा।

श्री सिंहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में सबसे ज्यादा सिकलसेल से प्रभावित मरीज पाए जाने वाले राज्यों में से एक है। इसे पूरी गंभीरता से लेते हुए राज्य के हर जिले में सिकलसेल प्रबंधन केन्द्र की स्थापना कर देश में सर्वाधिक 51 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गई है। सिकलसेल इंस्टीट्यूट का नवीन भवन 45 करोड़ रूपए की लागत से निर्माणाधीन है। प्रदेश में सिकलसेल की जांच के लिए पाईंट ऑफकेयर टेस्टिंग की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इस टेस्ट से तत्काल पता चल जाएगा कि व्यक्ति सिकलसेल से पीड़ित है या नहीं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश के तीन नए मेडिकल कॉलेजों कांकेर, महासमुंद और कोरबा के भवन के निर्माण के लिए टेण्डर की प्रक्रिया चल रही है।

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने सदन में बताया कि प्रदेश में मातृ मृत्यु दर में कमी आई है। छत्तीसगढ़ देश में मातृ मृत्यु दर में ज्यादा कमी लाने वाले राज्यों में शामिल है। हमें इसे और भी नीचे लेकर जाना है। पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की तारीफराष्ट्रीय स्तर पर हुई है। वहां ऐसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं, जो देश के किसी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नहीं है। श्री सिंहदेव ने सदन में बताया कि अगले वित्तीय वर्ष में राज्य के सभी उप स्वास्थ्य केन्द्रों को नए भवन मिल जाएंगे। स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में सहायता करने वाली मितानिनों को नए बजट में हर महीने 2200 रूपए का मानदेय देने की घोषणा हुई है। यह राशि विभिन्न योजनाओं के तहत उन्हें मिलने वाले प्रोत्साहन राशि के अतिरिक्त होगी।

वाणिज्यिक कर मंत्री सिंहदेव ने कहा कि वर्ष 2022-23 के लिए 18 हजार 500 करोड़ रूपए जीएसटी के संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित है। इस साल 28 फरवरी तक 15 हजार 723 करोड़ 81 लाख रूपए का राजस्व संग्रहण हो चुका है, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 85 प्रतिशत है। वर्ष 2021-22 में 12 हजार 991 करोड़ 4 लाख रूपए का कर संग्रहण हुआ था। इस साल का कर संग्रहण पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल की कीमत पड़ोसी राज्यों से कम है। श्री सिंहदेव ने सदन में बताया कि राज्य शासन द्वारा छोटे भू-खण्डों की रजिस्ट्री पर रोक हटाने से आम लोगों को राहत मिली है। रोक हटाने के बाद से 4 लाख 29 हजार 605 छोटे भू-खण्डों की रजिस्ट्री की जा चुकी है। पंजीयन कार्यालयों में पुराने दस्तावेजों को स्कैन कर सुरक्षित रखा जा रहा है।

श्री सिंहदेव ने बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के उत्तर में कहा कि इसके अंतर्गत गरीबी, रोजगार, शिक्षा, आवास, स्वास्थ्य, कृषि, भूमि सुधार, सिंचाई, पेयजल, कमजोर वर्ग का संरक्षण तथा सशक्तिकरण, उपभोक्ता संरक्षण, पर्यावरण, ई-शासन आदि सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं को शामिल करने पर बल दिया गया है। प्रदेश में मनरेगा के अंतर्गत 5 करोड़ 96 लाख 80 हजार मानव दिवस रोजगार का सृजन किया गया है। इसके तहत हितग्राहियों को 1354 करोड़ 4 लाख 24 हजार रूपए दिए गए हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 432 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कराया गया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष में 39 हजार 550 स्व-सहायता समूहों को लाभान्वित किया गया है। उन्होंने बताया कि वन विभाग के अंतर्गत कुल 34 हजार 703 हेक्टेयर क्षेत्र में 250 लाख पौधों का रोपण किया गया है। ऊर्जा विभाग के अंतर्गत 8869 पंप सेटों को बिजली प्रदान की गई है।

कृषि विश्वविद्यालय रायपुर को लोक नृत्य प्रतियोगिता में मिला प्रथम स्थान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलोर में आयोजित 21वीं अखिल भारतीय अन्तर कृषि विश्वविद्यालयीन युवा सांस्कृतिक महोत्सव में लोक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक हासिल किया है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने लोक नृत्य प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय पारंपरिक पंथी नृत्य प्रस्तुत किया था। 21वीं अखिल भारतीय अन्तर कृषि विश्वविद्यालयीन युवा सांस्कृतिक महोत्सव में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की 31 सदस्यीय दल ने भाग लिया था। इस युवा सांस्कृतिक महोत्सव में नृत्य, गायन, कला साहित्य और नाट्य विधा में लगभग 20 विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। युवा सांस्कृतिक महोत्सव में आयोजित नाट्य विधा के अंतर्गत स्किट प्रतियोगिता में भी विश्वविद्यालय के

दल को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। इसी प्रकार कला विधा के अन्तर्गत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय बिलासपुर की छात्रा वैदेही देवांगन को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। विद्यार्थयों के दल के वापस लौटने पर उनका रायपुर रेलवे स्टेशन आत्मीय स्वागत किया गया। विजेता प्रतिभागियों ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा के नेतृत्व में कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें प्राप्त पुरस्कारों के बारे में जानकारी दी। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने दल के सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने लोक नृत्य समूह के विद्यार्थयों के साथ-साथ दल में शामिल सभी सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन करने की आशा व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा इस वर्ष कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलोर में 13 से 17 मार्च, 2023 तक 21वीं अखिल भारतीय अन्तर कृषि विश्वविद्यालयीन युवा सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया था। जिसमें देश भर के 65 कृषि विश्वविद्यालयों की टीमें शामिल हुई थीं। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का सांस्कृतिक दर विश्वविद्यालय के क्रीडा अधिकारी डॉ. आर.के. ठाकुर एवं डॉ. सोनाली देवले के नेतृत्व में प्रतियोगिता में शामिल हुआ था। विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन में आयोजित सम्मान समारोह में विश्वविद्यालय के निदेशक शिक्षण डॉ. एस.एस. सेंगर, लेखानियंत्रक उमेश अग्रवाल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा, तकनीकी अधिकारी डॉ. बी.पी. कतलम, विभिन्न छात्रावास अधीक्षक तथा विश्वविद्यालय प्रशासन के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बीजापुर और दंतेवाड़ा के लिए रवाना हुआ हाथकरघा संघ के द्वारा बनाया गया स्कूल गणवेश का पहला जत्था

284 बुनकर सहकारी समितियों द्वारा हो रहा है गणवेश वस्त्रों का उत्पादन

972 महिला स्व-सहायता समूहों की लगभग 12 हजार महिलाएं कर रही हैं गणवेश की सिलाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्या. रायपुर को स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत 33 शैक्षणिक जिलो में लोक शिक्षण संचालनालय एवं समग्र शिक्षा योजनांतर्गत संचालित विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में 64 लाख गणवेश सेट आपूर्ति हेतु क्रय आदेश प्राप्त हुआ है। छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा संघ द्वारा 21 मार्च से शैक्षणिक सत्र 2023-24 हेतु गणवेश आपूर्ति का कार्य बीजापुर एवं दंतेवाड़ा जिले से प्रारंभ किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्या. रायपुर के महाप्रबंधक से मिली जानकारी के अनुसार प्रथम

चरण में बीजापुर जिले में 42,582 गणवेश सेट एवं दंतेवाड़ा जिले में 35,468 गणवेश सेट की आपूर्ति हेतु छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा संघ के गोडाउन से जिलो में वितरण हेतु वाहन रवाना किये गये हैं।

उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग के गणवेश वस्त्रों के उत्पादन में राज्य की 284 बुनकर सहकारी समितियों में लगभग 37,500 व्यक्ति संलग्न हैं। छ.ग. राज्य हाथकरघा संघ द्वारा गणवेश वस्त्रों की सिलाई राज्य की 972 महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से करायी जाती है, जिससे लगभग 11,700 महिलाओं को सिलाई के माध्यम से अतिरिक्त रोजगार प्राप्त होता है। छ.ग. राज्य हाथकरघा संघ द्वारा अन्य जिलो में भी आने वाले समय में निरंतर गणवेश की आपूर्ति का कार्य किया जायेगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

गर्मियों में कॉलेज जाते समय

लड़कियां चुनें ये 5 आउटफिट्स

कॉलेज जाते समय लड़कियों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि वो आज क्या पहन कर जाएं। पूरी अलमारी देखने के बाद भी उन्हें कोई भी ढंग का कपड़ा समझ नहीं आता है। इस कारण ज्यादातर लड़कियां कॉलेज आउटफिट्स को लेकर परेशान रहती हैं। आइए आज हम आपको गर्मियों में पहनने वाले कुछ कॉलेज आउटफिट आइडिया बताते हैं, जिससे आप कॉलेज में आरामदायक महसूस करने के साथ-साथ फैशनेबल भी दिख सकेंगी।

जींस के साथ एक क्लासिक सफेद शर्ट

ज्यादातर लड़कियां कॉलेज जाते समय ऐसे आउटफिट पहनना चाहती हैं, जिससे वह बोरिंग भी न दिखें और आरामदायक भी महसूस कर सकें। इसके लिए जींस सबसे बढ़िया विकल्प है। आप अपनी पसंद के मुताबिक नीले या काले रंग की स्ट्रेट फिट, बॉयफ्रेंड या मॉमी जींस पहन सकती हैं। इसके साथ एक क्लासिक सफेद रंग की टी-शर्ट पहनें। इस आउटफिट के साथ स्टाइलिश दिखने के लिए टी-शर्ट को जींस के अंदर करना जरूर याद रखें।

लेगिंग्स के साथ कैजुअल कुर्ता

कुर्ता न केवल फैशनेबल होता है, बल्कि हल्का और आरामदायक भी होता है। कॉलेज के लिए आप अपने पसंदीदा रंग की अच्छी फिटिंग वाली सूती कुर्ती का चयन कर सकती हैं। इसे विपरीत रंग के लेगिंग्स या प्लाजो के साथ पेयर करें। इसके अलावा बालियां, जूतियां और बिंदी के साथ अपने लुक पूरा करें। गर्मियों में हल्के रंग ज्यादा अच्छे लगते हैं। ऐसे में कोशिश करें कि कुर्ते का रंग हल्का नीला या हल्का गुलाबी जैसे रंग हों।

टी-शर्ट ड्रेस

कॉलेज जाने वाली लड़िकयों के अलमारी में एक कूल और कैजुअल लूज-फिटेड टी-शर्ट ड्रेस जरूर होनी चाहिए। कॉलेज के लिए आप गहरे रंग की शर्ट ड्रेस को चुनें और इसके साथ मैचिंग जूते पहनकर लुक पूरा करें। यह आउटफिट गर्मियों के लिए आरामदायक होने के साथ-साथ ट्रेंडी भी दिखेगा। बता दें कि टी-शर्ट ड्रेस पहली बार पश्चिम में 1950 के दशक में क्रिश्चियन डायर के द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के न्यू लुक के रूप में दिखाई दी थी।

ट्राउजर के साथ टैंक टॉप

कॉलेज जाने वाली हर लड़कियों के पास टैंक टॉप तो जरूर होनी चाहिए। यह आपको एक स्टाइलिश और आकर्षक लुक देता है। आप काले या सफेद रंग के टैंक टॉप का चयन कर सकती हैं, जिनकी लेस पर डिजाइन बनी हो। इसके अलावा आप गहरे रंग के टैंक टॉप का चयन भी कर सकती हैं। इस टॉप को डार्क ग्रे ट्राउजर के साथ पेयर करें और सफेद रंग के स्नीकर्स पहनकर लुक पूरा करें।

शर्ट के साथ एथनिक स्कर्ट

कॉलेज जाने के लिए आप एक लंबी एथनिक स्कर्ट चुनकर इंडो-वेस्टर्न लुक ट्राई कर सकती हैं। बेहतरीन इंडो वेस्टर्न लुक के लिए स्कर्ट को अच्छी टी-शर्ट के साथ पेयर करें और साथ ही टी-शर्ट की आस्तीन को आधा मोड़ लें। इससे आपको आकर्षक लुक मिलेगा। इसके अलावा आप चाहें तो स्कर्ट को शॉर्ट कुर्ते के साथ भी पेयर कर सकती हैं। अंत में जूती और सिंपल ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी पहनकर लुक पूरा करें।

बिजी लाइफ के कारण सेहत हो रही है खराब तो आजमाएं ये टिप्स

जब जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है तो हमारी स्वस्थ दिनचर्या अक्सर पटरी से उतर जाती है. हम अक्सर अपना खाना, व्यायाम छोड़ देते हैं और अपना ख्याल रखना भूल जाते हैं. इससे कई बीमारियां और अनहेल्दी जीवनशैली की शुरुआत हो जाती है. लेकिन, अपने व्यस्त कार्यक्रम के दौरान भी अपने स्वास्थ्य को बनाए रखना असंभव नहीं है. व्यस्त दिनचर्या होने के बावजूद आप कुछ ऐसे उपाय अपना सकते हैं जिससे हेल्थ को पूरी तरह से मेनटेन रहेगी. हम आपको ऐसे ही कुछ उपाय बताने जा रहे हैं जिसको अपने दैनिक जीवन में उतारने से आपकी सेहत पूरी दुरुस्त रहेगी और आपका शरीर एनर्जी से भरपूर रहेगा. ये 7 हेल्दी ईटिंग टिप्स आपके अस्त-व्यस्त जीवन के बीच आपकी सेहत को ठीक रखने में अहम भूमिका निभायेगा.

नाश्ते के लिए प्रोटीन

आपको नाश्ता खाना कभी नहीं छोड़ना चाहिए. नाश्ता पूरे दिन के लिए टोन सेट करता है और आपके शरीर को आवश्यक ऊर्जा देता है. नाश्ता न करने से ध्यान केंद्रित करने और चीजों पर ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो सकती है और यहां तक कि आप दोपहर के भोजन के दौरान ज्यादा खा सकते हैं. इसलिए, आपको अपने शरीर को पूरे दिन ऊर्जावान बनाए रखने के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का चुनाव करना चाहिए.

हाइड्रेटेड रहें

अपने शरीर को हर समय हाइड्रेटेड रखना जरूरी है. पानी पोषक तत्वों को आपकी कोशिकाओं तक भी पहुंचाता है और शरीर से अशुद्धियों को दूर करने में मदद करता है. यदि आप डीहाइड्रेट हैं तो आपका मस्तिष्क अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगा आपका कॉनेटिव फंक्शन भी बिगड़ सकता है. कुछ लोग अपने शरीर को आवश्यक ऊर्जा प्रदान करने के लिए कॉफी के आदी होते हैं. हालांकि, बहुत अधिक कैफीन हानिकारक है. यह आपके रक्तचाप को बढ़ा सकता है और निर्जलीकरण और खराब संज्ञानात्मक कार्य को जन्म दे सकता है. इसलिए इसका सेवन सीमित मात्रा में करें.

खाने के घंटे निश्चित करें

हम सभी अपने काम को पूरा करने और अपनी समय सीमा को पूरा करने के लिए समय निर्धारित करते हैं. इसी तरह, आपको स्वस्थ विकल्प बनाने के लिए खाने के घंटे निश्चित करने चाहिए और अनहेल्दी स्नैक खाने के लिए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए. इससे यह भी सुनिश्चित होता है कि आपके पास तदनुसार अपना भोजन तैयार करने का समय है.

बहुत देर से न खाएं

आपको देर रात खाने से बचना चाहिए क्योंकि उस दौरान आपका मेटाबॉलिज्म धीमा होता है. यह आपको अतिरिक्त वजन कम करने में मदद करेगा और सोने से पहले अपने शरीर को साफ करने का समय देगा.

हेल्दी स्नैक्स का चुनाव

जब आप भोजन करने के बाद भूख महसूस करते हैं, तो हमेशा हेल्दी स्नैक्स का चयन करें. आप चॉकलेट, चिप्स या कोल्ड ड्रिंक्स की जगह फल, सूखे मेवे, दूध और मूंगफली खा सकते हैं. ऐसा करने से, आप ट्रांस फैट से बच जाएंगे और अपने शरीर को आवश्यक खनिज और एंटीऑक्सीडेंट भी मिलेगा. आप जो कुछ भी खाते हैं उस पर ध्यान देने से और हेल्दी स्नैक्स का चुनाव करने से वजन कम करने में मदद मिलेगी.

फूड प्लान बनाएं

अस्त-व्यस्त के बीच आपको फूड प्लान बनाना चाहिए. इससे आपका बहुत समय बचेगा. आप सब्जियों को पहले ही काट कर स्वस्थ खाना आसानी बना सकते हैं. इसके साथ ही, अपनी छुट्टी के दिन पूरे साप्ताह के लिए फूड प्लानिंग कर सकते हैं.

छोटे ब्रेक लें

अपने काम के बीच छोटे-छोटे ब्रेक लेने से आपकी प्रोडक्टिविटी और कंसंट्रेशन पावर में वृद्धि करने में मदद मिलती है, खासकर तब जब आप बहुत व्यस्त हों. इसके अलावा, भोजन करते समय अपनी स्क्रीन से दूर रहें और ध्यान लगाकर और पूरी तरह चबाकर खाना खाएं.अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमेशा महत्वपूर्ण होता है, भले ही इसके लिए एक्सट्रा एफर्ट लगाना पड़े. उपरोक्त युक्तियों के साथ, आपको अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड और एक शिथिल जीवन शैली से बचना चाहिए. यदि आपको किसी बीमारी का संदेह है, तो आपको शीघ्र निदान के लिए तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए.

म्यूजिक वर्ल्ड में कई रिकॉर्ड बना चुकी हैं ध्वनि

ग्लोबल टॉप 100 लिस्ट में शामिल है गाना

ध्वनि भानुशाली बॉलीवुड की फेमस सिंगर्स में से एक हैं। इंडस्ट्री में आने के बाद बेहद कम समय में ही उन्होंने अपने पैर जमा लिए। ध्वनि ने कई बेहतरीन गाने गाए हैं। आज भी यदि आप युवा सिंगर्स की प्लेलिस्ट चेक करते हैं तो उनमें ध्वनि के गाने जरूर मिलेंगे। यही नहीं, ध्वनि के गानों ने कई रिकॉर्ड भी बनाए हैं। इतनी छोटी सी उम्र में इतना बड़ा रिकॉर्ड बनाना काफी बड़ी बात है। तो चलिए जानते हैं उनके जन्मदिन पर उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से।

आज ध्वनि अपना जन्मदिन मना रही हैं। उनका जन्म 22 मार्च 1998 को मुंबई में हुआ। ध्वनि को बचपन से ही संगीत से काफी लगाव था। उनके अपने पिता विनोद कुमार भानुशाली गुलशन कुमार संगीत से काफी हद तक जुड़े हुए हैं। वह टी-सीरीज में ग्लोबल मार्केटिंग एंड मीडिया पब्लिशिंग के प्रेसिडेंट हैं। पिता से पहले उनके दादा भी संगीत जगत के बड़े संगीतकार थे। ध्वनि ने काफी कम समय में ही फिल्मों में गाना शुरू कर दिया था।

ध्वनि ने साल 2018 में बॉलीवुड में बतौर सिंगर कदम रखा था। उनका पहला गीत इश्तेहार फिल्म वेलकम टू न्यूयॉर्क से था, जिसमें उन्होंने राहत फतेह अली खान के साथ गाया था। जो दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ था। उस वक्त ध्वनि महज 19 साल की थी। इस गाने के बाद ध्वनि को बॉलीवुड में कई सारे ऑफर मिलने लगे थे। ध्वनि ने इसके बाद कई फिल्मों में अपनी आवाज भी दी थी।

अब आपको बताते हैं ध्वनि के अब तक के सबसे बेहतरीन रिकॉर्ड के बारे में। ध्वनि का एक गाना वास्ते ने न केवल देश में, बल्कि विदेशों में भी धूम मचा दी थी। ध्वनि के इस गाने के बोल इतने सुंदर थे कि इसने जल्द ही लोगों के दिलों में अपनी जगह बना ली थी। आपको बता दें कि ध्वनि का यह गाना यूट्यूब पर एक बिलियन से भी ज्यादा बार देखा और सुना गया है। यही नहीं, उनका यह गाना ग्लोबल टॉप 100 लिस्ट में शामिल हो गया है। इस रिकॉर्ड के बाद ध्वनि इतिहास रचने वाली पहली भारतीय महिला आर्टिस्ट बन गई हैं।

ध्वनि को संगीत का हुनर विरासत में मिला है। वहीं उनके गाने 'ले जा रे' को भी एक अरब से ज्यादा व्यूज मिले थे। ग्लोबल चार्ट्स में एंट्री एक इंटरनेशनल आर्टिस्ट के रूप में ध्वनि की पोजीशन को और मजबूती देता है, इस तरह से वह भारत को दुनिया भर में गौरवान्वित कर रही हैं। इस तरह ध्वनि ने बेहद कम समय में इंडस्ट्री में अपना सिक्का जमा लिया है।

फिल्म उरी की रीवा अरोड़ा ने 10 मिलियन इंस्टा फॉलोअर्स किया पार

उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक की अभिनेत्री रीवा अरोड़ा के पास जश्न मनाने के कई कारण हैं, इंस्टाग्राम पर 10 मिलियन फॉलोअर्स होने के बाद उन्हें अपनी मां निशा अरोड़ा से 44 लाख रुपये से अधिक कीमत की शानदार काली ऑडी कार मिली है। रीवा ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह लाल रंग की पोशाक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, अपनी ब्रांड नई कार के साथ अपने परिवार के सदस्यों के साथ पोज दे रही हैं, जबकि उनकी मां पूजा करने में व्यस्त हैं। उसने वीडियो को कैप्शन दिया- घर में नया बच्चा। अभिनेत्री ने फूलों से सजी अपनी ऑडी क्यू3 की एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें 10एम प्रदर्शित करने वाला सुनहरा गुब्बारा था। रीवा ने कैप्शन में लिखा है- मुझे पता है कि मुझे देर हो गई है लेकिन आखिरकार मैंने 10 मिलियन इंस्टा फैमिली का जश्न मेरे नए उपहार के साथ मनाया। बहुत-बहुत धन्यवाद मैं आप लोगों से बहुत प्यार करती हूं, मैं अपनी खुशी को अपने शब्दों में बयां नहीं कर सकती। आपके बिना शर्त प्यार और समर्थन के लिए मेरे 10.6 मिलियन इंस्टा परिवार को धन्यवाद। इतने बड़े सरप्राइज के लिए और विशेष रूप से सजावट के साथ मेरे दिन को इतना खास बनाने के लिए ऑडी मुंबई वेस्ट को धन्यवाद। यह वास्तव में मेरे लिए एक अविस्मरणीय क्षण है।

डीपनेक ब्लाउज पहने शरवरी वाघ ने शेयर किया तस्वीर

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ इन दिनों अपनी बोल्ड और सिजलिंग अदाओं से फैंस को अपना कायल करने में लगी हुई हैं। अभिनेत्री जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस के दिलों पर खंजर चलने लग जाते हैं। हाल ही में शरवरी वाघ ने लेटेस्ट फोटोशूट करवाया है जिसमें उन्होंने ट्रेडिशनल आउटफिट में ओवरडोज तड़का लगाया है। एक्ट्रेस शरवरी वाघ का फैशन स्टेटमेंट हमेशा से ही ऑन प्वाइंट रहा है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट में एथनिक का ओवरडोज तड़का लगाया है। इन फोटोज में शरवरी वाघ ने बेहद ही सिजलिंग लहंगा पहना हुआ है जिसमें वो अपना डीपनेक ब्लाउज फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दे रही हैं। सिल्वर कलर के लहंगे में अपनी पतली कमर का जादू फैंस के दिलों में चला कर अभिनेत्री ने एक बार फिर से लाइमलाइट लूट ली है। अपने बालों को स्टाइलिश लुक में ओपन कर के और साथ ही न्यूड मेकअप कर के शरवरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस के इस लुक को देखकर फैंस की सासें थम गई हैं। बता दें कि शरवरी वाघ का हर लुक लोगों के बीच काफी ट्रेंड करता है। कानों में इयरिंग्स और कातिलाना निगाहों से किलर पोज देते हुए एक्ट्रेस अपनी इन तस्वीरों पर चार चांद लगा रही हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर किए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 1 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने लाइक कर दिया है।

निया शर्मा और सुनील शेट्टी ने दइया दइया गाने पर लगाए ठुमके

नागिन 4 की अभिनेत्री निया शर्मा ने बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी के साथ काम करने और वेब सीरीज हंटर- टूटेगा नहीं तोड़ेगा से नेहा कक्कड़ द्वारा गाए गए लेटेस्ट ट्रैक दइया दइया का हिस्सा बनने के अपने अनुभव को साझा किया। निया ने साझा किया कि उन्हें सुनील के साथ काम करने में मजा आया और वह उनकी फिटनेस देखकर प्रभावित हुईं। अभिनेत्री निया शर्मा ने कहा कि यह गाना एनर्जी से भरपूर है और यह उन सबसे मजेदार और चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं में से एक है, जिनका मैं हिस्सा रही हूं। महान अभिनेता सुनील शेट्टी के साथ काम करना निश्चित रूप से एक खुशी की बात थी मैं उनकी फिटनेस और उनके कुल लक्ष्यों से अचंभित हूं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक ट्रैक को पसंद करेंगे और इसके लिए अपना प्यार दिखाएंगे। वेब सीरीज में एसीपी विक्रम सिन्हा की भूमिका निभाने वाले सुनील ने कहा कि दइया दइया, एक गाने के रूप में शो में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और मैंने इसका हिस्सा बनकर आनंद लिया है। डांस स्टेप्स और संगीत रहस्यपूर्ण है और मुझे यकीन है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

अपर कलेक्टर विजेंद्र पाटले एवं प्रदीप साहू ने जनचौपाल में सुनी आमजनों की समस्याएं

कोरबा। प्रति मंगलवार को होने वाले जनचौपाल की कड़ी में आज अपर कलेक्टर विजेंद्र पाटले एवं प्रदीप साहू ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में आमजनों की समस्याएं सुनी तथा आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। जनचौपाल में आज 159 लोगों ने आवेदन प्रस्तुत किए। जनचौपाल में जनपद पंचायत कोरबा अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़गांव के ग्रामीणों ने अकड़हापारा सुरवे में सड़क निर्माण नही होने की जानकारी देते हुए लामपहाड़ से अकड़हापारा तक सड़क निर्माण की मांग की। साथ ही पीने के पानी की समस्या बताते हुए गांव में नल जल योजना के तहत शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की। अपर कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत कोरबा एवं कार्यपालन अभियंता पीएचई को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार पोड़ी-उपरोड़ा अंतर्गत ग्राम तनेरा निवासी जयसिंह ने उनके पूर्वजों द्वारा 40-45 वर्ष से काबिज भूमि का वनभूमि पट्टा दिलाने की मांग की। अपर कलेक्टर ने उक्त आवेदन पर एसडीएम पोड़ी-उपरोड़ा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जन चौपाल में जिला पंचायत सीईओ नूतन कंवर, नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पांडेय सहित सभी विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे। जनचौपाल में आज कटघोरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम महेशपुर निवासी लीला बाई ने उनके पति के मृत्यु पश्चात् घर की खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए आर्थिक सहायता की मांग की। इसी प्रकार जमनीमुड़ा निवासी पितांबर सिंह ने वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत पेंशन दिलाने एवं धनुहार पारा निवासी लक्ष्मीन केंवट ने गरीबी परिस्थिति के आधार पर आर्थिक सहायता दिलाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। बिलासपुर निवासी संजना यादव ने हायर सेकेण्डरी स्कूल हरदीबाजार मे पदस्थ रहे उनके पिता के मृत्यु पश्चात् अनुकंपा नियुक्ति की मांग की।

दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण और सामग्री वितरण शिविर 5 अप्रैल से

कोरबा। कोरबा कलेक्टर संजीव झा की पहल पर जिले के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यकतानुसार सामग्री वितरण किया जाएगा। जिसके लिए 05 अप्रैल से 14 अप्रैल तक विभिन्न जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों में शिविर लगाये जाएंगे। कलेक्टर कोरबा द्वारा जारी आदेशानुसार 05 अप्रैल 2023 को जनपद पंचायत पाली एवं नगरीय निकाय पाली के दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए मंगल भवन पाली में शिविर लगाया जाएगा। इसी तरह जनपद पंचायत कटघोरा एवं नगरीय निकाय कटघोरा, दीपका एवं छुरीकला के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए 08 अप्रैल को सद्भावना भवन कटघोरा में शिविर लगाया जाएगा। इसी तरह जनपद पंचायत करतला के सद्भावना भवन में 09 अप्रैल को, जनपद पंचायत कोरबा के ग्राम पंचायत भवन भैंसमा में 12 अप्रैल को तथा जनपद पंचायत पोड़ी-उपरोड़ा के सद्भावना भवन में 14 अप्रैल को शिविर लगाये जाएंगे। इन शिविरों के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागों को दायित्व सौंपा गया है। पाली, कटघोरा, करतला, कोरबा और पोड़ी-उपरोड़ा जनपद पंचायतों को दिव्यांगजनों को शिविर स्थल पर लाने एवं परीक्षण पश्चात् सकुशल गंतव्य स्थल पर पहुंचाने, शिविर हेतु कुर्सी, भोजन व्यवस्था, अधीनस्थ विभागीय अमलों की ड्युटी, जनपद पंचायत एवं नगरीय निकाय क्षेत्रांतर्गत व्यापक प्रचार-प्रसार करने, अतिथि आमंत्रण एवं मंच संचालन का दायित्व सौंपा गया है।

कोयला मंत्री ने ट्वीट कर दी बधाई

एसईसीएल की गेवरा माईन 50 मिलियन टन कोयला उत्पादन करने वाली बनी देश की पहली माईन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा (पीआईबी)। एसईसीएल कोरबा जिले में अवस्थित एसईसीएल की गेवरा परियोजना में 50 मिलियन टन कोयला उत्पादित कर इतिहास रच दिया है। यह 50 मिलियन टन क्लब में पहुँचने वाली देश की पहली कोयला खदान है। इस वर्ष गेवरा खदान ने लक्ष्य 52 मिलियन टन है जिसे एरिया द्वारा 31 मार्च से पूर्व ही पूरा कर लिए जाने की आशा है। उत्पादन के साथ-साथ गेवरा एरिया 50 मिलियन टन के कोल डिस्पैच के लक्ष्य के भी बेहद करीब (49.08) मिलियन टन पहुँच चुका है। गेवरा खदान आधुनिक व इको-फ्रेन्डली तकनीक के समावेश के जरिए कोल इण्डिया के परियोजनाओं में विशेष स्थान रखता है।

यहाँ ब्लास्टिंग फ्री सरफेस माईनिंग तकनीक का व्यवहार किया जाता है, वहीं मैकेनाइज्ड कन्वेयर बेल्ट सुविधायुक्त साईलो के जरिए रैपिड लोडिंग सिस्टम कोयले के ढुलाई में प्रयुक्त होता है। खदान में ओव्हर बर्डन रिमूवल (ओबीआर) के लिए 42 क्यूबिक मीटर शावेल-240 टन डम्फर जैसे आधुनिक एचईएमएम का इस्तेमाल होता है, वहीं पर्यावरण संवर्धन के उद्धेश्य से लांग डिस्टेंस फाग कैनन मशीन जैसे उपकरण नियोजित किए गए हैं।

गेवरा परियोजना के 50 मिलियन क्लब में शामिल होने पर माननीय कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी ने ट्वीट कर बधाई दी है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर एसईसीएल के सीएमडी डा. प्रेम सागर मिश्रा व निदेशक मण्डल स्वयं गेवरा परियोजना पहुँचे तथा गेवरा एरिया की टीम को बधाई देते हुए उत्कृष्ठ कर्मियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मीडिया से संवाद करते हुए सीएमडी एसईसीएल डा. प्रेम सागर मिश्रा ने कहा कि गेवरा में विकास और विस्तार की अपार संभावनाएँ हैं। वर्तमान में इसे 70 मिलियन टन विकसित किया जा रहा है, पर भविष्य में इसे और भी अधिक विस्तारित किया जा सकता है।

विदित हो कि सोमवार एसईसीएल ने 157.43 मिलियन टन कोयला उत्पादित कर अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन को पिछे छोड़ दिया है, इससे पूर्व वर्ष 2018-19 में एसईसीएल ने 157.35 मिलियन टन कोयला उत्पादित किया था।

गेवरा क्षेत्र का विकास एसईसीएल के प्रगति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है यहाँ कोयले का इतना रिजर्व पड़ा है जिससे 10 साल तक पूरे देश की बिजली बनायी जा सकती है। गेवरा माईन ने 50 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया तथा यह किसी भी एक वर्ष में 50 मिलियन टन कोयला उत्पादन करने वाली देश की एकमात्र खदान है।

इस खदान में कोयला उत्पादन करने के लिए आधुनिक व इको-फ्रेन्डली तकनीक सरफेस माईनर का व्यवहार किया जाता है, यह ब्लास्टिंग फ्री टेक्नालाजी है तथ इससे पर्यावरण पर दुष्प्रभाव नहीं आता।

यहाँ ओबीआर के लिए उच्च क्षमता के 42 क्यूबिक मीटर शावेल तथा 240 टन डम्फर का इस्तेमाल किया जाता है जो कि दुनिया भर में इस कार्य में प्रयुक्त होने वाली बेहद उच्च क्षमता की एचईएमएम मशीन है।

पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से वाटर स्प्रींकलर के साथ-साथ लांग रेंज मिस्ड फगिंग मशीन लगाया गया है जो हवा में बिखरे धूल कणों के प्रभाव को शमित कर देते हैं।

कोयला परिवहन के लिए गेवरा में कन्वेयर बेल्ट की मैकेनाईज्ड सुविधा बनायी गयी है तथा भारी क्षमता के साईलों के जरिए रेलवे बैगनों में आटोमेटिक तरीके से कोयले की लोडिंग की जाती है।

गेवरा खदान में प्रति पाली में लगभग 700 कर्मी कार्य करते हैं।

गेवरा में अभी भी 1000 मिलियन टन कोयला का रिजर्व उपलब्ध है जो कि पूरे देश के वर्तमान कोयला उत्पादन के हिसाब से लगभग 10 साल तक अकेले देश को ऊर्जा आपूर्ति हेतु कोयला उपलब्ध करने में सक्षम है।

52 मिलियन टन कोयले में से एनटीपीसी को डेलिगेटेड माईन के जरिए लगभग 14 मिलियन टन, रेलवे वैगन के जरिए लगभग 22 मिलियन टन वहीं रोड व बाशरी मोड के जरिए 15 मिलियन टन प्रेषित किए जाने की योजना प्रस्तावित है।

पुरानी गंजमंडी काम्पलेक्स में 50 लाख के सी-मार्ट की सौगात

स्थानीय स्तर पर निर्मित सामानों विक्रय का माध्यम: वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ विधायक अरुण वोरा ने चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन देवी-देवाओं के दर्शन हेतु चंडी मंदिर, शक्तिचौरा व शीतला मंदिर पहुंचकर शहरवासियों के सुख-समृद्धि के लिए कामना की। इसके पश्चात पुरानी गंजमंडी स्थित नवीन काम्पलेक्स में नवरात्रि के अवसर पर 50 लाख की राशि से सी-मार्ट बनाने का कार्य शुरु करवाया जिससे शहर की महिलाओं व स्व सहायता समूह के द्वारा निर्मित सामाग्रियां उचित मूल्य पर एक स्थान पर विक्रय हेतु उपलब्ध होगी व महिलाओं के द्वारा बनाए गए प्रोड्क्ट का प्रचार-प्रसार तथा आर्थिक स्थिति मजबूत होने में सी-मार्ट उपयोगी साबित होगा। स्व सहायता समूह की बहनो को सौगात देते हुए विधायक वोरा ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशानुरुप सी-मार्ट काम्पलेक्स का शुभारंभ किया। निर्माण कार्य जल्द पूर्ण के बाद स्थानीय व प्रदेश स्तर पर निर्मित सामानों का क्रय विक्रय करने का एक अच्छा माध्यम होगा। जहां रोजगार के अवसर महिलाओं को प्राप्त होगें। साथ ही गंजपारा में शक्तिचौरा से पुलगांव नाला व पुराना स्टेट बैंक रोड का डामरीकरण राशि 23 लाख से स्वीकृत सड़क को जल्द प्रारंभ करने कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किया। वार्ड 35-36 में चल रहे 25 लाख के सीमेंटीकरण को जनता की मांग के अनुसार जल्द पूर्ण करने कहा। आयुक्त से चर्चा के दौरान कहा कि प्रदेश सरकार से दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के लिए करोड़ो की राशि के विकास कार्यो की स्वीकृति मिली है आने वाले बरसात के पूर्व पुराने व नए कार्यो की निविदा बुलाकर पूर्ण कर लिए जाए जिससे जनता को मूलभूत समस्या से छुटकारा मिल सके। इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष राजकुमार साहू, देव सिन्हा, मनीष यादव, राजेश शर्मा, कुलेश्वर साहू, निगम के उपअभियंता करण यादव व स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली भी मौजूद थे।

गर्ल्स कॉलेज में नेट-सेट परीक्षा पर कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कॅरियर प्लेसमेन्ट सेल के तत्वाधान में नेट एवं सेट परीक्षाओं की तैयारी के संदर्भ में कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्नातकोत्तर कक्षाओं की छात्राओं के लिये आयोजित कार्यशाला के प्रथम दिन कला संकाय के विद्यार्थियों को विषय-विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री गणेश राम नायक ने नेट परीक्षा की प्रारंभिक जानकारी विस्तार से देते हुये बताया कि हम इस परीक्षा के लिए अपने को कैसे तैयार करें। पाठ्यक्रम की चर्चा करते हुए उसके विभिन्न खण्डों से पूछे जाने वाले प्रश्नों तथा उत्तर के चयन पर भी प्रकाश डाला।

कार्यशाला के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए नेट और सेट परीक्षा में शामिल होने का अच्छा अवसर मिलता है। इसकी जानकारी के अभाव में अधिकांश होनहार विद्यार्थी शामिल नहीं होते है। उच्च शिक्षा में रोजगार के अवसर ज्यादा मिल रहे हैं अतएव सही ढंग से परीक्षा की तैयारी कर सफलता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम का संचालन आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया और आभार प्रदर्शन डॉ. सुनिता गुप्ता ने किया। कार्यशाला के अगले दिनों में विज्ञान और वाणिज्य के विद्यार्थियों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन देंगे।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना: 129 करोड़ से संवरेंगे रायगढ़ के स्कूल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। अगले सत्र से पहले स्कूलों की मरम्मत को शासन ने प्राथमिकता में रखा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वयं इस संबंध में 'मुख्यमंत्री स्कूल जतन' योजना की घोषणा की है। शासन द्वारा स्कूलों का सर्वे कर मरम्मत योग्य स्कूलों की जानकारी मंगाई थी। जिसके आधार पर लोक शिक्षण संचालनालय से बजट जारी कर दिया गया है।

खास बात यह है कि जारी बजट में रायगढ़ के स्कूलों के मरम्मत के लिए 97 करोड़ 10 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है। शासन द्वारा पूरे प्रदेश के स्कूलों के लिए 369 करोड़ 83 लाख रुपए जारी किए हैं। जिसमें से एक चौथाई से अधिक राशि रायगढ़ जिले को प्राप्त हुआ है।

इसके पूर्व शासन ने स्कूलों के मरम्मत के लिए 10 करोड़ 11 लाख रुपए और 1962 से पहले निर्मित पहले के स्कूलों के लिए 4 करोड़ 8 लाख रुपए स्वीकृत किए थे। इसके साथ ही जिले में सीएसआर से 15 करोड़ 72 लाख और डीएमएफ से 2 करोड़ 01 लाख रुपए की स्वीकृति कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने दी है। इन सभी को मिलाकर जिले के स्कूलों के लिए 128 करोड़ 66 लाख रुपए स्कूलों की मरम्मत के लिए दिए जा रहे हैं। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने अपनी पदस्थापना के साथ ही जिले में शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए विभागीय काम-काज की गहन समीक्षा की। जिसमें स्कूलों में मरम्मत और अतिरिक्त कक्ष निर्माण की जरूरत प्रमुखता से सामने आयी। जनचौपाल में भी इस बाबत कई आवेदन भी प्राप्त होते रहते थे। इसको देखते हुए कलेक्टर सिन्हा ने जिला शिक्षा अधिकारी को सभी स्कूलों का सर्वे करवाकर प्रपोजल तैयार करने के लिए निर्देशित किया था। जिसके पश्चात जिले के सभी विकासखंडों में ऐसे स्कूल जिनमें मरम्मत की आवश्यकता है उसकी लिस्ट तैयार कर शासन को भेजा गया। कलेक्टर सिन्हा ने स्वयं इस कार्य की नियमित समीक्षा की। जिसका परिणाम ये रहा कि रायगढ़ जिले के सर्वाधिक स्कूलों के मरम्मत कार्य प्रस्ताव में शामिल किए गए तथा जारी बजट का लगभग एक तिहाई रायगढ़ जिले को मिला। शासन द्वारा जारी स्वीकृति आदेश के मुताबिक डीपीआई मद से 1536 स्कूलों के लिए 97 करोड़ 10 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। डीएमएफ से 25 स्कूलों के लिए कुल 1 करोड़ 95 लाख रुपए दिए गए हैं। इसके पूर्व के आदेश मुताबिक 10 करोड़ 11 लाख रुपए की राशि राज्य शासन द्वारा दिया जा रहा है। इस राशि से जिले के 182 स्कूलों में मरम्मत कार्य होंगे तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कक्ष का निर्माण करवाया जाएगा। इसी के साथ ही 1962 के पूर्व निर्मित स्कूल भवनों के मरम्मत व रखरखाव के लिए 4 करोड़ 8 लाख रुपए दिए जा रहे हैं। अगले शिक्षा सत्र से 31 आत्मानंद स्कूल और प्रारंभ हो रहे हैं इसके उन्नयन के लिए कलेक्टर सिन्हा ने सीएसआर मद से 15 करोड़ 72 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। इसके साथ समग्र शिक्षा अभियान के तहत 62 स्कूलों में कार्यों को मंजूरी दी गयी है। जिसकी राशि पृथक से राज्य शासन द्वारा जारी की जाएगी।

सिविल-20 इंडिया 2023 का दूसरा पूर्ण सत्र सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन एंड प्रमोशन ऑफ ह्यूमन वैल्यूज विषय पर केन्द्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

नागपुर(पीआईबी)। आज सिविल-20 इंडिया 2023 स्थापना बैठक के दूसरे दिन का पूर्ण सत्र 'सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन एंड प्रमोशन ऑफ ह्यूमन वैल्यूज' विषय पर था। इस सत्र में सिविल-20 इंडिया 2023 के निम्नलिखित कार्य समूहों को शामिल किया गया: सेवा- सेवा की भावना, परोपकार और स्वयंसेवा देने की भावना; वसुधैव कुटुम्बकम- विश्व एक परिवार है; विविधता, समावेशन, पारस्परिक सम्मान और मानवीय मूल्य के रूप में मानव अधिकार।

इस सत्र की अध्यक्षता सेवा इंटरनेशनल के वैश्विक समन्वयक श्याम परांडे ने की। श्याम परांडे ने कहा कि इस सम्मेलन में उपस्थित कार्यकर्ताओं और प्रतिनिधियों को गौतम बुद्ध द्वारा दिए गए अप्पो दीप भव (स्वयं प्रकाश बनो) के संदेश को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्य और मानव लोकाचार सभ्य समाज की ताकत हैं। उन्होंने कहा, भारत का मूल्यों से जुड़ा एक लंबा इतिहास रहा है और ये भारतीय मूल्य वैश्विक मूल्यों से मेल खाते हैं।

सेवा इंटरनेशनल के अध्यक्ष श्याम परांडे (बाएं से प्रथम) नागपुर में सी-20 स्थापना बैठक के दूसरे दिन 'सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन एंड प्रमोशन ऑफ ह्यूमन वैल्यूज' विषय पर पूर्ण सत्र की अध्यक्षता करते हुए। इस सत्र के वक्ताओं में साहस डिसएबिलिटी रिसर्च एंड केयर फाउंडेशन, कोल्हापुर की अध्यक्ष नसीमा हुर्जुक, इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ कल्चरल स्टडीज, भारत की अध्यक्ष डॉ. शशि बाला, अर्श विद्या मंदिर के स्वामी परमात्मानंद और 100 मिलियन अभियान के वैश्विक निदेशक ओवेन जेम्स शामिल थे। सत्र में इन कार्यकारी समूहों के संबंधित समन्वयकों ने भी बात की। इनमें भारतीय सामाजिक उत्तरदायित्व नेटवर्क (आईएसआरएन) के सीईओ संतोष गुप्ता; यूनाइटेड कान्शियसनैस ग्लोबल के संयोजक डॉ. विक्रांत तोमर; विवेकानंद सांस्कृतिक केन्द्र संस्थान के अध्यक्ष डॉ. जोराम बेगी (वीकेआईसी), गुवाहाटी और सेंटर फॉर पॉलिसी एनालिसिस के कार्यकारी अध्यक्ष दुर्गानंद झा शामिल हैं।

स्वामी परमात्मानंद ने कहा कि सब कुछ हमें अनुग्रह में मिला है और हम किसी भी चीज के रचयिता नहीं हैं। चूंकि सब कुछ दिया जाता है, इसलिए हमें देने वाले का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने दूसरों का सम्मान करने और अपने कार्यों को इस तरह से करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, ताकि हम दूसरों के अधिकारों को न कुचलें।

संतोष गुप्ता ने कहा कि जब हम सेवा करते हैं तो हमारे मन में यह भावना आती है कि हमें किसी उद्देश्य के लिए कार्य करना चाहिए।

खास-खबर

धमतरी में स्टेयरिंग फेल होने से यात्री बस पलटी, मची अफरा-तफरी

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में मंगलवार की दोपहर को एक यात्री बस पलट गई। जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र में हुए हादसे में आठ से ज्यादा यात्री घायल हो गऐ। घायल यात्रियों को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पलटी बस की खिड़कियों को खोलकर यात्रियों को बाहर निकाला गया। इसके बाद क्रेन की मदद से बस को सीधा किया गया और रोड ट्रैं।।क को दुरुस्त किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर को धमतरी जिले के ग्राम पंचायत अर्जुनी के पास ऋतुराज ट्रेवल्स की यात्री बस सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। बस पलटने से चीख पुकार मच गई और मौके पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान पुलिस को भी सूचना दी गई। बस पलटने के बाद खिड़की के रास्ते यात्रियों को निकाला गया। हादसे में किसी के मरने की खबर नहीं है हालांकि 8 से ज्यादा यात्री घायल हो गए हैं। मौके से 108 एंबुलेंस को भी सूचना दी गई। सभी घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां इनका इलाज चल रहा है। वहीं हादसे के बाद बस चालक ने बताया कि स्टेयरिंग फेल होने के कारण बस पलट गई।

पुलिस की कार्रवाईः 6.65 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। कार वाशिंग प्रेशर मशीन के नाम पर 6 लाख 65 हजार रुपए की ठगी करने वाले को पुलिस ने उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद से गिरफ्तार किया। उसके पास से 4 लाख रुपए बरामद किए गए। मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है। जगमल चौक सांवरिया गली निवासी निशांत भानूशाली पिता नीलेश भानूशाली (27) की रिपोर्ट पर तारबाहर पुलिस ने यह कार्रवाई की। अगस्त 2022 में वे कार वॉश प्रेशर मशीन लगाना चाहते थे।

उन्होंने इंटरनेट से सर्च कर नोएडा स्थित कंपनी की जानकारी ली और उसमें दिए मोबाइल नंबर पर संग्राम कुमार महापात्रा (40), पता-जी 83,ग्राम कातना, थाना कातना, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश से बात की। संग्राम सिंह ने मशीन भेजने के एवज में ऑनलाइन 6 लाख 65 हजार रुपए मंगा लिए पर न तो मशीन भेजी और न ही पैसा वापस किए। एफआईआर के बाद पुलिस जांच में जुटी थी।

पिकअप और बाइक की टक्कर से CAF के दो जवानों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर में मंगलवार सुबह सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स के दो जवानों की मौत हो गई। जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां से एयरलिफ्ट कर जवान को रायपुर रेफर किया गया है। हादसा बास्तानार थाना क्षेत्र में हाईवे पर तेज रफ्तार पिकअप और बाइक के आमने-सामने टक्कर के चलते हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, बास्तानार स्थित सीएएफ कैंप में तैनात तीन कांस्टेबल मंगलवार की सुबह बाइक पर किलेपाल स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए जा रहे थे। इसी दौरान करीब 11 बजे बास्तानार के आगे मोड़ के पास अचानक सामने से आ रही पिकअप से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में बाइक चला रहा कांस्टेबल मनमोहन कुर्रे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य दोनों जवान घायल हो गए।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। वहीं एंबुलेंस से दोनों घायल जवानों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उपचार के दौरान एक और जवान राजनांदगांव निवासी गणेश राम आंचला (40) ने दम तोड़ दिया। जबकि तीसरा घायल जवान कांकेर निवासी मुकेश गौर (31) की हालत गंभीर है। उसके सिर और पैर में चोट आई है।

सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता

दंतेवाड़ा में एक लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। यहां के थाना अरनपुर के नक्सल प्रभावित क्षेत्र ग्राम रेवाली और बुरगुम जंगल क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने एक लाख के इनामी नक्सली को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार इनामी नक्सली का नाम सोना उर्फ हुंगा मरकाम बताया जा रहा है। आसपास क्षेत्र में कई नक्सली वारदातों में इसके शामिल होने की बात कही जा रही है।

दंतेवाड़ा जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत मंगलवार को डीआरजी और 111वीं वाहिनी ई कंपनी सीआरपीएफ कैंप समेली का संयुक्त बल सर्चिंग के लिए निकला था। थाना अरनपुर के ग्राम रेवाली और बुरगुम जंगल पहाड़ी की ओर सुरक्षाबलों की सर्चिंग के दौरान एक संदिग्ध दिखा तो पुलिस पार्टी को देखकर छिपने का प्रयास कर रहा था। सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम सोना उर्फ हुंगा मरकाम बताया। हुंगा मरकाम के खिलाफ अरनपुर थाने में कई मामले दर्ज है। इस पर एक लाख का ईनाम भी घोषित किया गया था।

नौकरी लगाने के नाम पर 2 लाख 80 हजार रुपए की धोखाधड़ी

नगर पालिका में पदस्थ महिला लिपिक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा (ए)। जांजगीर-चांपा जिले की चांपा नगर पालिका में पदस्थ महिला लिपिक को ठगी के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महिला क्लर्क रीना चावरिया पर नौकरी दिलाने के नाम पर साल 2022 में 2 लाख 80 हजार रुपए की ठगी करने का आरोप है। मामला चांपा थाना क्षेत्र का है।

पुलिस ने बताया कि चांपा नगर पालिका मे सफाई कर्मचारी के पद पर पदस्थ चंद्रशेखर सोनवानी की साल भर पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। इसकी जानकारी मिलने पर नगर पालिका चांपा में पदस्थ महिला लिपिक रीना चावरिया ने मृतक की पत्नी और बेटे से मुलाकात की। उसने मृतक के बेटे को नगर पालिका में बाबू के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति दिलाने का झांसा दिया। वर्ष 2022 में मृतक के बेटे शेरा सोनवानी से उसने 2 लाख 80 हजार रुपए ले लिए।

साथ ही इस बात की चर्चा उच्च अधिकारियों से नहीं करने के लिए कहा।

बेटे की नौकरी लगने की आस में शेरा सोनवानी की मां ने विधवा पेंशन का पैसा इकट्ठा कर रीना चावरिया को 2 लाख 80 हजार रुपए दिए, लेकिन बेटे को पिता की जगह पर अनुकम्पा नियुक्ति नहीं मिली। आरोपी ने टालते-टालते और बहाना बनाते हुए सालभर का समय निकाल दिया। न तो शेरा सोनवानी को नौकरी मिल रही थी और न तो आरोपी लिपिक पैसा ही वापस कर रही थी। इसके बाद पीड़ित शेरा सोनवानी ने चांपा थाने में आरोपी महिला लिपिक रीना चावरिया (49 वर्ष) निवासी बेलदार पारा के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 420 के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को आरोपी महिला लिपिक को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पान दुकान की आड़ में बेच रहे थे हुक्काः सूचना मिलते ही पुलिस ने मारी रेड, 2 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में 2 पान सेंटर संचालकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये पान बेचने की आड़ में हुक्का और इससे जुड़े नशीले सामान बेच रहे थे। पुलिस की टीम ने यहां से बड़ी मात्रा में हुक्का से जुड़े सामान बरामद किए हैं। ये पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

दरअसल सरकार ने हुक्के-बार का संचालन पूरी तरह से बैन कर दिया है। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि भगत सिंह चौक स्थित जयदेव पान सेंटर और रॉयल पान सेंटर के संचालक चोरी छिपे हुक्के की सामग्री बेच रहे हैं। इसको लेकर पुलिस को लगातार शक बना हुआ था। उन्होंने पैसे देकर अपना पॉइंटर भेजा। उसने दुकान में जाकर नशीले समान की मांग की। जिससे पान दुकान वाले ने मेरे पास ये उपलब्ध हैं करके उसे सामान दे दिया।

जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पान दुकान के मालिक को पूछताछ के बाद तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने जयदेव पान भंडार के मालिक आरोपी कृष्णा जैना(34) के पास से विभिन्न प्रकार के हुक्का से संबंधित नोजल, पाइप, हुक्का फ्लेवर, तम्बाकू पैकेट, चारकोल बरामद किए। इसके बाद रॉयल पान सेंटर में भी रेड कार्रवाई कर पान सेंटर संचालक गुलशन बृजवानी (34) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इस छापेमारी में करीब 45 हजार के नशीले सामान जब्त किये।

बाइक सवार ने की लूट

घर के बाहर टहल रही बुजुर्ग के गले से चेन छीनकर भागा

रायपुर (ए)। डंगनिया इलाके में घर के बाहर टहल रही बुजुर्ग महिला से लूट हो गई। पीछे से बाइक सवार लुटेरा आया और झपट्टा मारकर बुजुर्ग के गले से चेन खींचकर फरार हो गया। बुजुर्ग कुछ समझ पाती वह तेजी से डीडी नगर की ओर निकल गया। बुजुर्ग ने चीख पुकार मचाई। उनका बेटा हड़बड़ाते हुए बाहर आया लेकिन तब तक लुटेरा फरार हो चुका था।

उसी दिन पुलिस में शिकायत कर दी गई थी। पुलिस ने 7 दिन जांच के बाद चेन स्नेचिंग का केस दर्ज किया है। अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस अफसरों ने बताया कि डंगनिया निवासी सविता अग्रवाल(60)रोज की तरह 14 मार्च की रात भोजन के बाद घर के सामने टहल रही थी।

तभी पीछे से बाइक में एक युवक आया और उनके पास आकर रुक गया। इसके पहले कि वे कुछ समझ पाती उसने झपट्टा मारकर उनकी सोने की चेन खींच ली। महिला सकते में आ गई। उनकी आवाज सुनकर घर के भीतर से उनका बेटा हड़बड़ाते हुए आया और बाइक लेकर डीडीनगर की ओर गया। लुटेरा नहीं मिला। पुलिस अफसरों के अनुसार लूट करने वाला पेशेवर है। उसने क्षण भर में वारदात की और फरार हो गया। ये डंगनिया इलाके में इसके पहले भी कई वारदातें हो चुकी है।

सिगरेट के धुएं के विवाद में की युवक की हत्या, नाबालिग समेत छः गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। पुन्नी मेले के दौरान सिगरेट की धुएं को लेकर हुए विवाद में ग्रामीणों ने मिलकर युवक पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल की उपचार के दौरान मौत हो गई।

पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने नाबालिग समेत छह लोगों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। बिल्हा क्षेत्र के अमलडीहा निवासी देवधर कुमार ध्रुव ने हत्या के प्रयास और मारपीट की शिकायत की। पीड़ित ने बताया कि वह छह जनवरी को दोस्तों के साथ माघ पुन्नी मेला घुमने ग्राम रामपुर जिला बलौदाबाजार गया था। मेले में सिगरेट का धुआं उड़ाने के नाम पर मोहतरा में रहने वाले मंगेश क्षत्री, मनहरण यादव, महेश्वर विश्वकर्मा से विवाद हुआ। इस दौरान उन्होंने देवधर और उसके दोस्तों की पिटाई की। इस दौरान सोनू शर्मा, नारायण यसादव और राकेश ध्रुव को गंभीर चोटे आई। गंभीर रूप से घायल राकेश को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां तबीयत में सुधार नहीं होने पर उसे रायपुर रेफर कर दिया गयां उपचार के दौरान 26 फरवरी को राकेश की मौत हो गई। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले में हत्या की धारा जोड़ ली।

गांव के लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस ने मंगेश बरगाह(24), मनहरण यादव(24), रोशन कुमार बरगाह(23), राहुल निषाद(21) प्रमोद कुमार ध्रुव(21) और 17 साल के नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित युवकों और नाबालिग को न्यायालय में पेश किया गया है।

खेल-खेल में दर्दनाक हादसा

गर्म तेल की कढ़ाही में गिरी मासूम परिवार संग मेला देखने गई थी साथ

कोरबा। परिवार के साथ मेला देखने गई दो साल की मासूम गर्म तेल की कढ़ाही में गिर गई। खेल-खेल में ये हादसा हुआ। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस के जरिए गम्भीर हालत में उसे जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। पसान के केंदई में आयोजित नौ दिवसीय मेला देखने को परिवार आया हुआ था।

पसान के केंदई मेला में परिजनों के साथ कुल्फी खाने निकली दो वर्षीय मासूम गर्म तेल की कड़ाही में गिरकर झुलस गई। पिपरिया में राम सिंह चौहान निवास करता है वह रोजी मजदूरी कर पत्नी व तीन बच्चों का पालन पोषण करता है। राम सिंह केदाई में आयोजित मेला देखने परिवार समेत गया हुआ था। वहां सभी मेले में घूम रहे थे इसी दौरान उसकी दो वर्षीय पुत्री किरण चौहान परिजनों के साथ कुल्फी खाने निकली हुई थी। जहां बच्चों के साथ खेल-खेल में गरम तेल में गिर गई। जिसमें मासूम बुरी तरह से झुलस गई। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई।

मृतक के पिता राम सिंह ने बताया कि केंदई में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें 45 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। यह आयोजन 9 दिनों तक चला आज अंतिम दिन था जहां शादी समारोह में शामिल होने के बाद मेला देखने गए हुए थे इस दौरान बच्ची अचानक खेलते-खेलते गरम कढ़ाही के तेल में गिर गई। आनन-फानन में संजीवनी की मदद से जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

असली बताकर बेच देता था नकली कैंट आरओ डेढ़ लाख के सामान सहित आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर पुलिस ने जानी-मानी कंपनी कैंट आरओ के नाम पर नकली प्रोडक्ट बेचने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी वॉटर फिल्टर 'कैंट आरओ' के नकली प्रोडक्ट को असली बताकर लोगों को बेच देता था। आरोपी की दुकान रायपुर के फाफाडीह स्थित टिंबर मार्केट में है। गंज थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी योगेश पटेल की वॉटर फिल्टर सेलिंग और रिपेयरिंग की दुकान है। आरोपी की दुकान का नाम पाटीदार एक्वा शॉप है। योगेश कैंट आरओ कंपनी के प्यूरीफायर समेत अन्य नकली पार्ट्स बेच रहा था, जिसकी जानकारी मोहम्मद तौकीर निवासी नोएडा को मिली। तौकीर कैंट कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर काम करते हैं। उन्होंने 20 मार्च को गंज थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस को शिकायत मिली कि रायपुर में एक व्यक्ति फेमस कंपनी के नकली प्रोडक्ट की डीलिंग असली बताकर करता है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की दुकान में छापा मारा। छापेमारी के दौरान शॉप से कैंट आरओ कंपनी के प्यूरीफायर का नकली सेडीमेंट फिल्टर 35 नग, कार्बन फिल्टर 37 नग, मैम्बरीन 18 नग, वॉटर पम्प हेड 14 नग और पावर कन्ट्रोलर 39 नग बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। जब्त सामान की कुल कीमत लगभग 1 लाख 40 हजार रुपए है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मंगलवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ताः 93003-77572

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950